राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत–गुजरात,संस्करण गुरुवार,15 जुलाई–2021 वर्ष–4, अंक – 172 पृष्ठ–08 मूल्य–01रुपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मास्क और सोशल डिस्टेंशिंग जैसे नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही

जहां कोरोना नियम टूटे वहां लगा दिया जाए लॉकडाउन: गृहमंत्रालय

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कोरोना की दूसरी लहर के मंद पड़ते ही लोग बाजारों और पर्यटन स्थलों में उमड़ रहे हैं। मास्क और सोशल डिस्टेंशिंग जैसे नियमों की भी धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। केंद्र सरकार और खुद प्रधानमंत्री की ओर से अपील किए जाने के बाद कुछ खास फर्क नहीं पड़ा है। ऐसे में अब गृह मंत्रालय ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से कहा है कि जिन स्थानों पर कोरोना नियमों का पालन नहीं किया जा रहा है, वहां फिर से पाबंदियां लगा दी जाएं। गृह सचिव अजय भल्ला की ओर से लिखे गए लेटर में पहाड़ों पर पर्यटकों की भीड़ का भी जिक्र किया गया है। मुख्य सचिवों के नाम लिखी गई चिट्ठी में कहा गया है कि एक्टिव केसों में गिरावट के साथ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने धीरे-धीरे गतिविधियों को शुरू करने की इजाजत दी है। जैसा कि 19 जून को आदेश में भी कहा गया था, इस बात को दोहराया जा रहा है कि प्रतिबंधों में छूट सावधानी पूर्वक दें। लेटर में आगे कहा गया है कि देश के कई हिस्सों में कोरोना नियमों का उल्लंघन देखा जा रहा है। खासकर सार्वजनिक परिवहन और पहाड़ी क्षेत्रों में। बाजारों में भी भीड़ उमड़ रही है और सोशल डिस्टेंशिंग जैसे नियमों की अनदेखी हो रही है। इस बीच कुछ राज्यों में आर फैक्टर (रीप्रोडेक्शन नंबर) में वृद्धि चिंता की वजह है आप जानते हैं कि 1.0 से अधिक क्रफैक्टर कोरोना फैलाव की ओर संकेत करता है। इसलिए यह अहम है कि सभी भीड़ वाले स्थानों जैसे दुकानों, मॉल्स, बाजार, मार्केट कॉम्पलेक्स, साप्ताहिक बाजार, रेस्टोरेंट, बार, मंडी, बस स्टेशन, रेलवे प्लैटफॉर्म, पार्कों, जिम, मैरिज हॉल, स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स आदि में कोरोना नियमों का पालन कराया जाए। अडवाइजरी में कहा है, यह सुनिश्चित किया जाए कि जिस प्रतिष्ठान, परिसर या बाजार आदि में कोरोना से बचाव को लेकर बताए गए नियमों का पालन नहीं किया जा रहा है वहां दोबारा प्रतिबंध लगा दिए जाएं, ताकि कोरोना को फैलने से रोका जा सके। इसके अलावा सख्त कानूनी कार्रवाई भी करने को कहा गया है। राज्यों को सलाह दी गई है कि 'दवाई भी, कड़ाई भी' मंत्र का पालन करते हुए टेस्टिंग में कमी ना आने दी जाए। संक्रमण में कमी के बावजूद किसी भी तरह की ढिलाई से बचते हुए संभावित आगामी लहरों को रोकने के लिए कदम उठाने को कहा गया है।

पहला कॉलम

राजस्थान के स्वास्थ्य मंत्री ने कहा- अब हम दो हमारे एक का समय

गहलोत के मंत्री डा शर्मा ने बढ़ती जनसंख्या को बताया एक समस्या

जयपुर। देश में जनसंख्या विस्फोट के खिलाफ कानून की मांग उठने लगी है। असम और उत्तर प्रदेश तो जनसंख्या नियंत्रण करने की दिशा की तरफ आगे बढ़ चुके हैं। इसी बीच राजस्थान के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. रघु शर्मा ने कहा कि हम दो हमारे एक का समय आ चुका है। राजस्थान की गहलोत सरकार में स्वास्थ्य मंत्री डॉ रघु शर्मा ने कहा कि बढ़ती जनसंख्या एक समस्या है। देश को इसे नियंत्रित करने के बारे में सोचना होगा ताकि आने वाली पीढ़ी बेहतर जीवन जी सके। उन्होंने कहा कि यह समय हम दो हमारे एक का है। वहीं, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बताया कि भाजपा ने ही नसबंदी के कार्यक्रम का विरोध किया था, अगर 70 के दशक में नसबंदी को आगे बढ़ाते तो आज जनसंख्या इतनी नहीं बढ़ी होती। जनसंख्या नियंत्रण का कानून बनाने से समस्या का हल नहीं होगा, जब तक लोगों में जागरूकता नहीं हो। दरअसल, उत्तर प्रदेश में हम दो हमारे दो का मसौदा तैयार हो चुका है। जिसके बाद से जनसंख्या नियंत्रण कानून को लेकर बहस छिड़ गई। बसपा प्रमुख मायावती ने तो प्रस्तावित कानून पर संदेह प्रकट किया था। इस दौरान उन्होंने आरोप लगाया था कि इस प्रस्तावित कानून में लोगों को सरकार की गंभीरता कम, चुनावी स्वार्थ ज्यादा लग रहा है।

पीएम गरीब कल्याण योजना में उत्तर प्रदेश को हुआ रिकॉर्ड राशन आवंटन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत उत्तर प्रदेश को मुफ्त वितरण के लिए 109.33 एलएमटी खाद्यान्न का रिकॉर्ड आवंटन किया गया है। इस योजना के माध्यम से उत्तर प्रदेश के 14.71 करोड़ से अधिक लोगों को लाभ दिया जा रहा है। इन खाद्यान्नों की लागत 40,093 करोड़ रुपये है। भारत सरकार खाद्य सब्सिडी, अंतरराज्यीय परिवहन, आदि सहित इस तरह के वितरण के लिए पूरी लागत वहन कर रही है और भारतीय खाद्य निगम द्वारा राज्य सरकार को खाद्यान्न निःशुल्क जारी किया जा रहा है। इस योजना के तहत प्रति व्यक्ति 5 किलो अनाज वितरित किया जा रहा है। देश में सबसे ज्यादा आवंटन उत्तर प्रदेश में हुआ है। पिछले 3-4 वर्षों के दौरान राज्य ने वितरण और खरीद प्रणाली में बड़ा परिवर्तन देखा है। तकनीक के बढ़ते उपयोग से पारदर्शिता आई है, सरकारी खजाने के लिए लागत में भारी बचत हुई है। उत्तर प्रदेश में सार्वजनिक वितरण प्रणाली में पारदर्शिता बढ़ने के पीछे राज्य में सार्वजनिक वितरण प्रणाली का ऑटोमेशन एक प्रमुख विशेषता है। लाभार्थियों के बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण से धोखाधड़ी, चोरी आदि कम हुई है। 30 लाख से अधिक डुप्लीकेट लाभार्थियों को हटाया गया और लगभग 7 लाख निष्क्रिय राशन कार्ड हटाए गए हैं। इससे करीब तीन हजार करोड़ रुपये की बचत हुई है।

एक शिकायत तीन बार आने पर अधिकारियों पर नाराज हुए मुख्यमंत्री

गोरखपुर। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गोरखपुर में अपने दौरे के दूसरे दिन बुधवार को गोरखनाथ मंदिर में जनता दरबार में लोगों की समस्या सुनी। इस दौरान जनता दरबार में गोरखपुर सहित विभिन्न जिलों से करीब 300 फरियादी पहुंचे। योगी आदित्यनाथ एक-एक कर सभी फरियादियों के पास गए उनकी समस्या सुन अधिकारियों को समस्याओं के शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए। बुधवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जब जनता दरबार में लोगों की शिकायतें सुन रहे थे, तभी एक फरियादी ने उनसे इस बात की शिकायत की कि पिछले दो बार से आ रहे हैं, यह तीसरी बार है। इस पर मुख्यमंत्री ने मौके पर मौजूद अधिकारियों के प्रति नाराजगी जताई। कहा भविष्य में इसकी पुनरावृति नहीं होनी चाहिए। जिस स्तर पर समस्या जाए उसका वहीं पर स्थाई हल दें। जनता दरबार मे मुख्यमंत्री के सामने महिला से धोखे से शादी कर उसके साथ जबरिया धर्म परिवर्तन कराए जाने का भी मामला पहुंचा। रामगढ़ताल इलाके की रहने वाली महिला ने योगी को बताया कि तीन वर्ष पूर्व कोतवाली इलाके के नखास पर रहने वाले अमीरूल हक नाम के व्यक्ति ने धोखे से उससे कोर्ट मैरिज कर ली और फिर अब उसका जबरिया धर्म परिवर्तन कराना चाहता है। मुख्यमंत्री ने तत्काल अधिकारियों को कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके अलावा सउदी अरब में मृत व्यक्ति का शव वतन वापस जाने सहित, अधिकारियों द्वारा मामलों में सही रिपोर्ट न दिए जाने और अधिकांश जमीनी विवाद और पुलिस से जुड़े मामले पहुंचे। गंभीर बीमारियों का पैसों के अभाव में इलाज नहीं हो पाने के मामलों को भी सीएम ने गंभीरता से लिया। जनता दरबार में करीब आधा दर्जन ऐसे मामले आए, जिसके परिजन किसी न किसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे हैं, लेकिन पैसों के अभाव में उनका इलाज नहीं हो पाया। मुख्यमंत्री ने ऐसे मामलों में फरियादियों को अस्पताल से इलाज का इस्टिमेट बनवाकर देने को कहा है। उन्होंने कहा कि रुपयों को अभाव में किसी भी गरीब का इलाज नहीं रूकेगा। ऐसे सभी गरीबों का इलाज सरकार की ओर से कराया जाएगा।

केंद्रीय कर्मचारियों को मोदी सरकार का बड़ा तोहफा, महंगाई भत्ता 17 से बढ़ाकर 28फीसदी किया

(एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को मानसून सत्र से पहले अपने आवास पर कैबिनेट बैठक की। मोदी कैबिनेट में कई अहम फैसले लिए गए। मोदी कैबिनेट ने केंद्रीय कर्मचारियों को बड़ा तोहफा दिया है। सूत्रों के मुताबिक, केंद्र सरकार ने केंद्रीय कर्मचारियों के महंगाई भत्ते (DA) को 17 फीसदी से बढ़ाकर 28% कर दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में बुधवार को हुई केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में ये फैसला लिया गया है। यह महंगाई भत्ता 1 जुलाई 2021 से लागू होगा। बता दें कि केंद्रीय कर्मचारियों के DA की तीन किस्तें आनी बाकी थीं। कोरोना संकट के दौरान सरकार की तरफ से DA पर रोक लगा दी थी, अब DA बढ़ने के बाद सितंबर से बंपर सैलरी आने की उम्मीद है। वहीं सूचना और प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने जानकारी दी कि मंत्रिमंडल ने कपड़ा निर्यात के लिए राज्य और केंद्रीय करों तथा शुल्कों में छूट (आरओएससीटीएल) योजना मार्च 2024 तक जारी रखने को मंजूरी दी है। इसके अलावा मोदी कैबिनेट ने राष्ट्रीय आयुष मिशन 2026 तक जारी रखने का फैसला किया है। बता दें कि कैबिनेट विस्तार और फेरबदल के बाद नए मंत्रियों के साथ पीएम मोदी की यह पहली बैठक थी। पीएम मोदी के नए मंत्रिमंडल में कुल 43 मंत्री शामिल हुए हैं। इनमें से 36 नए हैं। इनमें सात महिलाएं भी शामिल हैं। हाल में कैबिनेट विस्तार और फेरबदल के बाद पीएम मोदी केंद्रीय कैबिनेट कमेटियों में भी अहम बदलाव किए। इनमें नए मंत्रियों को जोड़ा गया है। संसदीय मामलों (Parliamentary Affairs) की कैबिनेट कमेटी में अर्जुन मुंडा, विरेंद्र कुमार, किरण रिजिजू, अनुराग ठाकुर को शामिल किया गया है। इस कमेटी को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह देख रहे हैं।

पुलवामा मुठभेड़ : मारे गए 3 आतंकियों में 1 लश्कर का पाकिस्तानी कमांडर शामिल

श्रीनगर (एजेंसी)।

दक्षिण कश्मीर के पुलवामा जिले में पुलिस, सेना और सीआरपीएफ ने रात भर के संयुक्त अभियान में प्रतिबंधित संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) से जुड़े तीन आतंकवादियों को ढेर कर दिया। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। तीन आतंकवादियों में से एक की पहचान पाकिस्तानी के रूप में हुई है और अन्य दो स्थानीय हैं। सेना ने कहा कि आठ घंटे के लंबे ऑपरेशन में, एजाज उर्फ अबू हुरैरा, एक पाकिस्तानी आतंकवादी और दो अन्य आतंकवादियों की पहचान तहाब (पुलवामा) के जावेद राथर और श्रीनगर के शाहनवाज गनी के रूप में की गई है, जिन्हें सुरक्षा बलों ने ढेर कर दिया है। सेना ने कहा कि पुलवामा में न्यू कॉलोनी के निर्मित क्षेत्र में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में पुलिस से विशिष्ट खुफिया सूचना मिलने के बाद, पंजगोम, पुलवामा स्थित राष्ट्रीय राइफल्स बटालियन, जम्मू-कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ के सैनिकों द्वारा मंगलवार की रात 11.55 बजे एक अभियान शुरू किया गया था। बयान में कहा गया है, जब सेना मंगलवार-बुधवार की रात 1.20 बजे घेराबंदी कर रही थी, आतंकवादियों ने सैनिकों पर गोलियां चला दीं और अंधेरे का फायदा उठाकर भागने की कोशिश की। सतर्क सैनिकों ने तुरंत गोलियां चलाईं और भाग रहे आतंकवादी इसके बाद एक घर में फंसकर रह गए। बयान के अनुसार, आत्मसमर्पण का आह्वान किया गया, लेकिन आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी जारी रखी, जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई। मुठभेड़ स्थल से दो एके-47 राइफल, एक पिस्टल और अन्य जंगी सामान बरामद किए गए हैं।

राजस्थान: जयपुर में नकली नोट बनाने का भंडाफोड़, स्पेशल टीम ने बरामद किए 5.80 लाख रुपए

(एजेंसी):

राजस्थान पुलिस के विशेष कार्यबल (एसओजी) ने जयपुर के गोनेर इलाके में जाली नोट छापने का कारखाना पकड़ा है। पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके पास से 5.80 लाख रुपये से अधिक के जाली नोट तथा नोट छापने के उपकरण बरामद किए हैं। एसओजी के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक अशोक राठौड़ ने बताया कि जयपुर के गोनेर इलाके में महिमा कोपल नाम की एक आवासीय योजना की एक विला पर मंगलवार रात दबिश दी गई। मौके से पांच लाख 80 हजार 900 रुपये की भारतीय जाली मुद्रा, आधे छपे नोट, कलर प्रिंटर, स्कैनिग मशीन, लेमिनेटर, भारी मात्रा में नोट छापने के कागज व अन्य सामान जब्त कर दो आपूर्तिकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि एसओजी में दर्ज मुकदमे में वांछित अभियुक्त बृजेश मौर्या के बारे में मुखबिर से सूचना मिली कि वह अपने साथी प्रथम शर्मा के साथ मिलकर महिमा कोपल की एक विला में जाली भारतीय मुद्रा छापने का कारखाना चला रहा है। इस पर टीम ने बुधवार रात दबिश दी। आरोपी बृजेश मौर्या व प्रथम शर्मा भारतीय जाली मुद्रा छापने की मशीनों व छपी मुद्रा के साथ नोटों की कटिंग करते हुए मिले। टीम ने मौके से आरोपियों के कब्जे से 500 के 1147 नोट व 200 के 37 नोट, कुल 5,80,900 रुपये की भारतीय जाली मुद्रा, आधे छपे नोट, कलर प्रिंटर, स्कैनिंग मशीन, लेमिनेटर, भारी मात्रा में नोट छापने के कागज व नोट छापने के अन्य सामान जब्त किये। आरोपी कम्प्यूटर, प्रिंटर, स्कैनर आदि के माध्यम से उच्च क्वालिटी की भारतीय जाली मुद्रा बना रहे थे। राठौड़ ने बताया कि जब्त जाली मुद्रा हूबहू असली नोट की तरह ही दिखती है, जिसमे वाटर मार्क आरबीआई थ्रेड व संख्या का अंकन भी है। आरोपियों से विस्तृत पूछताछ जारी है।

प्रधानमंत्री 16 जुलाई को गुजरात में कई परियोजनाओं का वर्चुअली करेंगे उद्घघाटन

गांधीनगर (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 16 जुलाई को गुजरात के अहमदाबाद और गांधीनगर में कई विकास परियोजनाओं का उद्घघाटन करने के लिए वर्चुअली मौजूद रहेंगे। कुछ नई विकासात्मक परियोजनाएं और कार्य हैं जो उद्घाटन/सार्वजनिक समर्पण का इंतजार कर रहे हैं। इसमें कुछ रेलवे परियोजनाएं, गुजरात साइंस सिटी में नए आकर्षण और गांधीनगर में नव विकसित रेलवे स्टेशन और आसपास के होटल के परियोजनाएं शामिल हैं। प्रधानमंत्री 16 जुलाई को पुनर्विकसित गांधीनगर रेलवे स्टेशन और रेलवे स्टेशन के ऊपर 318 कमरों वाले पांच सितारा होटल का वर्चुअली उद्घाटन करेंगे। वह सुपरफास्ट साप्ताहिक गांधीनगर- वाराणसी ट्रेन और बरेठा मेमू ट्रेन को भी हरी झंडी दिखाएंगे। इसके अलावा, पीएम कुछ रेल विद्युतीकरण के साथ-साथ ब्रॉड गेज रूपांतरण परियोजनाओं को भी जनता को समर्पित करेंगे। तीन नए आकर्षण हैं जो गुजरात साइंस सिटी में उद्घाटन का इंतजार कर रहे हैं। जलीय गैलरी का निर्माण 264 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से किया गया है। इस गैलरी की एक आकर्षक विशेषता अंडरवाटर वॉक-वे टनल है। अन्य आकर्षण 127 करोड़ रुपये में निर्मित ग्लोबल रोबोटिक गैलरी और 14 करोड़ रुपये में निर्मित नेचर पार्क हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए वर्चुअली मौजूद रहेंगे। गुजरात के मुख्यमंत्री विजय रूपाणी, उपमुख्यमंत्री नितिन पटेल, केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, केंद्रीय रेल राज्य मंत्री, दर्शन जरदोश और गुजरात के अन्य कैबिनेट मंत्री इन कार्यक्रमों में उपस्थित रहेंगे। प्रधानमंत्री के जुलाई के तीसरे सप्ताह में, संभवतः 15 जुलाई को गुजरात आने की उम्मीद थी, लेकिन उस कार्यक्रम को बदल दिया गया है और अब प्रधानमंत्री वर्चुअली भाग लेंगे। गुजरात के मुख्यमंत्री विजय रूपानी ने एक

हाईवे और एक्सप्रेसवे पर 20 किमी प्रति तक बढ़ जाएगी स्पीड, नितिन गडकरी ने अधिकारियों को दी सलाह

-एक ऐसी व्यवस्था को तैयार करें जिससे कि एक निश्चित मार्ग पर स्पीड लिमिट में समानता बरकरार रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)।

मोदी सरकार में केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी के नेतृत्व में सड़कों का को विकास हुआ है। यही कारण है कि देश के अलग-अलग नेशनल हाईवे और एक्सप्रेसवे पर अधिकतम स्पीड लिमिट जल्द ही बढ़ सकती हैं। अब नितिन गडकरी ने अपने मंत्रालय के अधिकारियों से वाहनों की अधिकतम गति सीमा में संशोधन करने को कहा है। गडकरी की ओर से विभिन्न श्रेणियों की सड़कों के लिए 20 किलोमीटर प्रति घंटे तक की रफ्तार बढ़ाने की बात कही गई है। गडकरी ने मंत्रालय में समीक्षा बैठक के दौरान और भी कई निर्देश दिए। अधिकारियों को मंत्री की ओर से यह भी निर्देश दिए गए हैं कि वह एक ऐसी व्यवस्था को तैयार करें जिससे कि एक निश्चित मार्ग पर स्पीड लिमिट में समानता बरकरार रहे। साथ ही साथ यह भी कहा गया है कि कम दूरी वाली सड़को में भी स्पीड लिमिट को लेकर दिए जाने वाले दिशानिर्देशों में बार-बार बदलाव ना देखना पड़े। वर्तमान में राष्ट्रीय राजमार्गों पर अधिकतम गति सीमा 100 किलोमीटर प्रति घंटे है जबकि एक्सप्रेसवे पर यह लिमिट 120 किलोमीटर प्रति घंटा हो जाती है। लेकिन इसमें भी सच्चाई है कि राज्य पुलिस और अन्य एजेंसियों के पास अपने अधिकार क्षेत्र वाले राजमार्गों और एक्सप्रेसवे पर गति सीमा को निर्धारित करने का अधिकार है। इसी वजह से राष्ट्रीय राजमार्गों के कुछ हिस्सों में अलग-अलग गति सीमा दिखती है। साइनबोर्ड को भी बढ़ाने के निर्देश दिए गए है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय राष्ट्रीय राजमार्ग के पास स्मार्ट सिटी, टाउनशिप, लॉजिस्टिक पार्क और औद्योगिक संकुल के निर्माण की अनुमति के लिये मंत्रिमंडल की मंजूरी लेगा। डिजिटल तरीके से आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गडकरी ने कहा कि उनका उद्देश्य वैश्विक स्तर का राजमार्ग नेटवर्क तैयार करना है। राजमार्ग मंत्रालय ने बुनियादी ढांचा के लिये पूंजी प्राप्त करने को लेकर मौजूदा राजमार्ग परियोजनाओं को बाजार पर चढ़ाने की योजना तैयार की है। गडकरी ने कहा, और अब हमने राजमार्ग के किनारे टाउनशिप, स्मार्ट सिटी, लॉजिस्टिक पार्क, औद्योगिक संकुल बनाने की मंजूरी के लिये मंत्रिमंडल नोट तैयार किया है। उन्होंने कहा, हम सड़कों के किनारे लोगों की आरामदायक यात्रा के लिये 400 से अधिक विभिन्न प्रकार की सुविधाएं तैयार कर रहे हैं। मंत्री ने यह भी कहा कि उनका मंत्रालय 2.5 लाख करोड़ रुपये की सुरंगें बनाने की योजना बना रहा है। गडकरी के अनुसार नवोन्मेष और अनुसंधान के माध्यम से गुणवत्ता से समझौता किए बिना सड़क निर्माण में स्टील और सीमेंट का उपयोग कम किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सड़क उपकरण मशीनरी में सीएनजी, एलएनजी और एथेनॉल का उपयोग किया जाना चाहिए। मंत्री ने आयात में कमी लाने, लागत प्रभावी, प्रदूषण मुक्त और स्वदेशी तौर-तरीकों तथा वैकल्पिक ईंधन के विकास पर जोर दिया।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

हादसों से सबक

सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ ने असहमतियों के दमन के संदर्भ में जो टिप्पणी की है, वह न सिर्फ लोकतंत्र की बुनियाद मजबूत करने वाली है, बल्कि एक सभ्य और सहिष्णु समाज के निर्माण के लिहाज से भी जरूरी है। भारत-अमेरिका कानूनी संबंधों पर साझा ग्रीष्मकालीन सम्मेलन को संबोधित करते हुए न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा है कि नागरिक असहमतियों को दबाने के लिए आतंकवाद विरोधी कानूनों या आपराधिक अधिनियमों का दुरुपयोग नहीं किया जाना चाहिए। निस्संदेह, असहमति लोकतंत्र की आधारभूत विशेषता है और इस शासन प्रणाली के आदर्श रूप में इसकी काफी अहम भूमिका है। लेकिन दुर्योग से सत्ताधारी पार्टियां लोकतंत्र की इस बुनियादी खूबी को ही नकारने लगती हैं और अपने खिलाफ उठने वाली हर आवाज ही उन्हें नागवार गुजरती है। हाल के वर्षों में जिस पैमाने पर भारत में राजद्रोह कानून का दुरुपयोग हुआ है, वही इस बात की तस्दीक कर देता है। अभी पिछले महीने ही एक वरिष्ठ पत्रकार के खिलाफ दायर राजद्रोह के मुकदमे को खारिज करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने इस कानून के दुरुपयोग पर अपनी नाखुशी जाहिर की थी। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने एक और महत्वपूर्ण बात कही है कि हमारी अदालतों को सुनिश्चित करना चाहिए कि नागरिकों की आजादी की रक्षा के लिए वे पहली कतार में खड़ी हों। जाहिर है, किसी भी लोकतांत्रिक देश में लोग इंसाफ की आखिरी गुहार अदालत से ही लगाते हैं। विडंबना यह है कि भारत में सबसे अधिक विश्वसनीयता रखने वाली अदालतों का दरवाजा खटखटाने से पहले आम नागरिक अनेक बार सोचता है। मुकदमों के बोझ तले दबी न्यायपालिका में उसकी अरजी की सुनवाई कब होगी, यह आशंका तो उसके हौसले पस्त करती ही है, ऊंची अदालतों में मुकदमा लड़ने का खर्च भी उसे हतोत्साहित करता है। इसलिए न्यायपालिका को ही ऐसे इंतजाम करने पड़ेंगे कि उत्पीड़ित लोगों को त्वरित न्याय मिले। कानून का राज कायम करने के लिए यह बहुत जरूरी है कि इसे लागू करने वाली एजेंसियां पेशेवर पारदर्शिता बरतें। अमेरिकी तंत्र की ताजा नजीर सामने है। तमाम नस्लवादी आग्रहों-दुराग्रहों के बावजूद अश्वेत नागरिक जॉर्ज फ्लॉयड के हत्यारे श्वेत पुलिसकर्मी को तंत्र ने एक साल के भीतर अदालत से सजा दिला दिया। इसके विपरीत भारत में अभी चंद रोज पहले खुद आला अदालत इस बात से हैरान थी कि जिस कानून को वह छह वर्ष पहले निरस्त कर चुकी है, उसके तहत भी लोगों पर मुकदमे दर्ज किए जा रहे हैं! दुर्योग से आईटी ऐक्ट की उस धारा के खिलाफ भी यही आरोप था कि असहमतियों के दमन के लिए इसका बेजा इस्तेमाल हो रहा है। ऐसी स्थितियां हमारे तंत्र के भीतर समन्वय की कमी और प्रशासनिक सुधारों के प्रति लगातार उदासीनता से उपजती हैं। औपनिवेशिक युग में शुरू जिस राजद्रोह कानून को ब्रिटेन ने अपने यहां हटा लिया, हम आज भी उसे ढो रहे हैं, क्योंकि सरकारें इसे अपने विरोधियों से निपटने के कारगर हथियार के तौर पर देखती रही हैं। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने उचित ही कहा है कि अमेरिका की तरह ही भारतीय संविधान भी मानव अधिकारों में गहरी आस्था रखता है। इस विशाल लोकतंत्र की प्रतिष्ठा पूर्ण नागरिक स्वतंत्रता और त्वरित इंसाफ से ही सुर्खरू होगी, बदले की कार्रवाई या असहमतों के उत्पीड़न से नहीं।

'आज के ट्वीट

प्रमाण

राजस्थान में 33 जिले है लेकिन एक का भी नाम मुगलों के नाम पर नहीं है। महाराणा प्रताप के शौर्य का सबसे बड़ा प्रमाण यही है

- पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ

स्वस्थ औसत आयु में बढ़ोतरी ज्यादा जरूरी

- ललित गर्ग

वर्ल्ड हेल्थ स्टैटिस्टिक्स रिपोर्ट 2021 की रिपोर्ट के अनुसार दुनिया में औसत आयु तो बढ़ रही है, पर स्वस्थ औसत आयु में वैसी बढ़ोतरी नहीं दिख रही। वैश्विक औसत आयु 73.3 वर्ष है तो स्वस्थ औसत आयु 63.7 वर्ष। यानी दोनों के बीच करीब नौ साल का अंतर है। इसका साफ मतलब यह हुआ कि लोगों के जीवन के आखिरी दस साल तरह-तरह की बीमारियों, तकलीफों एवं झंझावतों के बीच गुजरते हैं। बुजुर्ग आबादी के स्वास्थ्य का पहलू बहुत महत्वपूर्ण है। जीवन लम्बा होकर सुखद एवं स्वस्थ नहीं बन पा रहा है, यह चिन्ताजनक स्थिति है, यह स्थिति शासन-व्यवस्थाओं पर एक प्रश्नचिन्ह है। वार्धक्य पश्चाताप नहीं, वरदान बने, इस पर व्यापक कार्य-योजना देश एवं दुनिया के स्तर पर बननी चाहिए। इस रिपोर्ट में महिलाओं और पुरुषों की औसत आयु और उनके स्वास्थ्य से जुड़े कुछ पहलुओं पर नए सिरे से विचार की जरूरत बताई है। रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया भर में महिलाओं की औसत आयु पुरुषों के मुकाबले अधिक है। वे अपेक्षाकृत ज्यादा लंबा जीवन जीती हैं। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि स्वास्थ्य के मामले में भी वे पुरुषों से बेहतर हैं। रिपोर्ट के मुताबिक अगर बात औसत स्वस्थ आयु की हो तो महिलाओं और पुरुषों के बीच का यह अंतर काफी कम हो जाता है। स्वस्थ औसत आयु के लिहाज से महिलाएं और पुरुष करीब-करीब एक जैसी ही स्थिति में हैं। यानी जीवन के आखिरी हिस्से में पुरुषों के मुकाबले स्त्रियों का स्वास्थ्य ज्यादा कमजोर एवं अनेक परेशानियां से संकुल होता है। अपने देश में भी औसत आयु के मामले में पुरुषों से तीन साल आगे दिखती महिलाएं स्वस्थ औसत आयु का सवाल उठने पर पुरुषों के समकक्ष नजर आने लगती हैं। वर्ल्ड हेल्थ स्टैटिस्टिक्स रिपोर्ट 2021 के सन्दर्भ में विचारणीय विषय है कि औसत आयु बढ़ने के साथ-साथ स्वस्थ एवं सुखी औसत आयु क्यों नहीं बढ़ रही है। इस सन्दर्भ में चिकित्सा-सोच के साथ-साथ अन्य पहलुओं पर गौर करने की अपेक्षा है। इस दृष्टि से सही ही कहा है कि इंसान के जीवन पर उसकी सोच का गहरा असर होता है और जैसी जिसकी सोच होगी वैसा ही उसका जीवन होगा। इसी वजह से 卐थिंक पॉजिटिव卐 यानी 卐सकारात्मक सोचिए卐, यह केवल कहावत नहीं है, बल्कि स्वस्थ एवं सुखी जीवन का अमोघ साधन है। सकारात्मक सोच तब होती है जब आप सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ चुनौतियों का सामना करते हैं। यदि आप एक सकारात्मक सोच वाले व्यक्ति हैं तो आप जानते हैं कि जीवन में नकारात्मक परिस्थितियों का सामना कैसे किया जाए। ङुजीवन बाधाओं और चुनौतियों से भरा है, लेकिन अगर आप अपनी मानसिकता को बदल सकते हैं और अधिक सकारात्मक बन सकते हैं, तो यह वास्तव में आपकी स्वास्थ्य सहित कई चीजों में मदद कर सकता है। यह जीवन की सच्चाई है और अब विशेषज्ञों ने भी अपने शोध में साबित किया है कि अगर व्यक्ति जीवन में सकारात्मक सोच रखता है तो स्वस्थ और लंबा जीवन जी सकता है। पॉजिटिव सोच रखने वाले लोग खुश रहते हैं और खुश रहना एक स्वस्थ जीवन जीने के लिए सबसे महत्वपूर्ण है। येल यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने 600 से अधिक लोगों की मृत्यु दर पर जांच की, जिन्होंने सर्वेक्षण के सवालों का जवाब कुछ 20 साल पहले दिया था, जब उनकी उम्र 50 साल की थी। शोधकर्ताओं ने पाया कि कुछ लोग इस तरह के बयानों से सहमत थे, जैसे 'मेरे बूढ़े होने पर चीजें और खराब हो रही हैं' और 'जैसे-जैसे आप बड़े होते जाते हैं, आप कम उपयोगी होते हैं।' वहीं कुछ इस तरह के बयानों से सहमत थे कि 'जब मैं छोटा था तब मैं भी उतना ही खुश था।' पाया गया कि उम्र बढ़ने पर अधिक सकारात्मक दृष्टिकोण वाले लोग नकारात्मक लोगों की तुलना में औसतन 7.5 वर्ष लम्बा, स्वस्थ एवं सुखी जीवन जीया था। ऐसे ही बोस्टन यूनिवर्सिटी द्वारा किये गये अध्ययन में कहा गया कि लंबी उम्र का राज अच्छी सेहत, संतुलित जीवनशैली और बिना किसी अक्षमता के जीना है, लेकिन सिर्फ नजरिया बदलकर भी अच्छी सेहत पाई जा सकती है और इससे उम्र बढ़ जाती है। शोध में शामिल प्रतिभागियों की औसतन उम्र 70 साल थी। शोध में करीब 70 हजार महिलाएं और 1429 पुरुषों को शामिल किया गया था। नकारात्मक सोच वालों की तुलना में सकारात्मक लोगों के उम्र की संभावना 15 प्रतिशत ज्यादा पाई गई। नयी रिपोर्ट के अनुसार अब हमारी औसत आयु बढ़ रही है तो उस जीवन में सकारात्मकता की ज्यादा अपेक्षा है। सकारात्मकता और हमारी इम्यूनिटी यानी रोगों से लड़ने की क्षमता (प्रतिरक्षा) के बीच गहरा संबंध हैं। एक शोध में 124 प्रतिभागियों ने भाग लिया और आशावादी सोच दिखाने वाले लोगों में अधिक रोगप्रतिरोधक क्षमता दिखाई दी। जिनका नकारात्मक दृष्टिकोण था, उन्होंने अपनी रोगप्रतिरोधक प्रणाली की प्रतिक्रिया पर नकारात्मक प्रभाव दिखाया। शोध यह भी दर्शाता है कि नकारात्मक दृष्टिकोण होने से आप अनेक असाध्य बीमारी की चपेट में आ सकते हैं। अध्ययनों से पता चला है कि सकारात्मक सोच वास्तव में आपको आघात या संकट से जल्दी उबरने में मदद कर सकती है। सकारात्मक सोच आपको अधिक लचीला बनाने में मदद कर सकती है, जो इन कठिन परिस्थितियों का सामना करने में मददगार हो सकता है। तनाव वास्तव में स्वास्थ्य समस्याओं का कारक माना जाता है। सकारात्मक सोच हमारे तनाव के स्तर को सही तरीके से मैनेज करने और कम करने में मदद करता है। अगर किसी भी परिस्थिति में जल्द घबरा जाते हैं तो सबसे पहले नकारात्मकता हावी है जिससे तनाव होना तय है और तनाव के साथ उच्च रक्तचाप की शिकायत रहेगी। अगर किसी भी परिस्थिति में सकारात्मक रहकर डटे रहे तो तनाव नहीं होगा और ब्लड प्रेशर नियंत्रित रहेगा। वर्ल्ड हेल्थ स्टैटिस्टिक्स रिपोर्ट 2021 की रिपोर्ट में वृद्ध आबादी के स्वास्थ्य से जुड़े प्रश्नों को प्रमुखता से उजागर किया है। महिलाओं की वृद्धावस्था में गिरती स्वास्थ्य स्थितियां विशेषज्ञों की नजरों से अछूती नहीं रही है, यह अच्छी बात है। परिवार में पितृसत्तात्मक सोच के प्रभाव में महिलाओं के स्वास्थ्य को ज्यादा तवज्जो नहीं मिलती। खाने-पीने के मामले में भी महिलाएं खुद को पीछे रखना उपयुक्त मानती हैं। इसके अलावा आर्थिक आत्मनिर्भरता के अभाव में स्वास्थ्य सेवाओं तक महिलाओं की सीधी पहुंच अमूमन नहीं हो पाती। जैसे-जैसे महिलाओं की आत्मनिर्भरता बढ़ेगी, इस मोर्चे पर सुधार की उम्मीद की जा सकती है। लेकिन जहां तक वैश्विक स्तर पर औसत आयु और स्वस्थ औसत आयु में अंतर का सवाल है तो वहां मामला सरकार की नीतियों और योजनाओं की दिशा का भी है। विभिन्न सरकारों का ही नहीं वैश्विक स्तर पर मेडिकल रिसर्चों के लिए होने वाली फंडिंग में भी जोर मौत के कारणों को समझने और दूर करने पर रहता है जिसका पॉजिटिव नतीजा औसत आयु में बढ़ोतरी के रूप में नजर आता है। अब जरूरत बुजुर्ग आबादी को होने वाली बीमारियों पर ध्यान केंद्रित करने की है ताकि उसे उन बीमारियों बचाने के उपाय समय रहते किए जा सकें। तभी हम अपने बुजुर्गों के लिए लंबा और साथ ही अच्छी सेहत से युक्त सुखी एवं प्रसन्न जीवन सुनिश्चित कर पाएंगे।

ज्ञान गंगा

पात्रता

श्रीराम शर्मा आचार्य

पात्रता के अभाव में सांसारिक जीवन में किसी को शायद ही कुछ विशेष उपलब्ध हो पाता है। अपना सगा होते हुए भी एक पिता मूर्ख गैर जिम्मेदार पुत्र को अपनी विपुल सम्पत्ति नहीं सौंपता। कोई भी व्यक्ति निर्धारित कसौटियों पर खरा उतरकर ही विशिष्ट स्तर की सफलता अर्जित कर सकता है। मात्र मांगते रहने से कुछ नहीं मिलता, हर उपलब्धि के लिए उसका मूल्य चुकाना पड़ता है। बाजार में विभिन्न तरह की वस्तुएं दुकानों में सजी होती हैं, पर उन्हें कोई मुफ्त में कहां प्राप्त कर पाता है? अनुनय विनय करने वाले तो भीख जैसी नगण्य उपलब्धि ही करतलगत कर पाते हैं। पात्रता के आधार पर ही शिक्षा, नौकरी, व्यवसाय आदि क्षेत्रों में भी विभिन्न स्तर की भौतिक उपलब्धियां हस्तगत करते सर्वत्र देखा जा सकता है। अध्यात्म क्षेत्र में भी यही सिद्धान्त लागू होता है। भौतिक क्षेत्र की तुलना में अध्यात्म के प्रतिफल कई गुना अधिक महत्त्वपूर्ण, सामर्थ्यवान और चमत्कारी हैं। किन्हीं-किन्हीं महापुरु षों को देख एवं सुनकर हर व्यक्ति के मुंह में पानी भर आता है तथा उन्हें प्राप्त करने के लिए मन ललचाता है, पर अभीष्ट स्तर का आध्यात्मिक पुरु षार्थ न कर पाने के कारण उस ललक की आपूर्ति नहीं हो पाती। पात्रता के अभाव में अधिकांश को दिव्य आध्यात्मिक विभूतियों से वंचित रह जाना पड़ता है जबकि पात्रता विकसित हो जाने पर बिना मांगे ही वे साधक पर बरसती हैं। उन्हें किसी प्रकार का अनुनय विनय नहीं करना पड़ता है। यह सच है कि अध्यात्म का, साधना का चरम लक्ष्य सिद्धियां-चमत्कारों की प्राप्ति नहीं है, पर जिस प्रकार अध्यवसाय में लगे छात्र को डिग्री की उपलब्धि के साथ-साथ बुद्धि की प्रखरता का अतिरिक्त अनुदान सहज ही मिलता रहता है, उसी तरह आत्मोत्कर्ष की प्रचण्ड साधना में लगे साधकों को उन विभूतियों का भी अतिरिक्त अनुदान मिलता रहता है, जिसे लोक-व्यवहार की भाषा में सिद्धि एवं चमत्कार के रूप में जाना जाता है। पर चमत्कारी होते हुए भी ये प्रकाश की छाया जैसी ही हैं। प्रकाश की ओर चलने पर छाया पीछे-पीछे अनुगमन करती है। अंधकार की दिशा में बढ़ने पर छाया आगे आ जाती है, उसे पकड़ने का प्रयत्न बेकार हो जाता है। इसी प्रकार अर्थात दिव्यता की ओर-श्रेष्ठता की ओर परमात्म पथ की ओर बढ़ने पर छाया अर्थात ऋिद्ध-सिद्धियां साधक के पीछे-पीछे चलने लगती हैं।

आज का राशिफल

मेष पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृषभ व्यावसायिक योजना सफल होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ सकता है।

मिथुन आर्थिक व व्यावसायिक समस्या रहेगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

कर्क राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। प्रणय संबंध मधुर होंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। व्यर्थ के तनाव रहेंगे।

कन्या जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आर्थिक संकट दूर होगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा।

तुला गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। खानपान में संयम रखें। धन हानि की संभावना है। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास फलीभूत होंगे। भाई या पड़ोसी का सहयोग रहेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

मकर बेरोजगार व्यक्तियोंको रोजगार मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। आपके प्रभाव में वृद्धि होगी। जारी प्रयास सार्थक होंगे।

कुम्भ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। अनावश्यक कार्यों में खर्च करना पड़ सकता है। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। मांगलिक कार्यों में हिस्सेदारी रहेगी। व्यर्थ के तनाव भी मिलेंगे।

केंद्रीय मंत्रिपरिषद के विस्तार के साथ आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारी भी

(लेखक- अशोक भाटिया)

केंद्रीय मंत्रिपरिषद के विस्तार की प्रतीक्षा पूरी हुई। इस पहले बड़े विस्तार और साथ ही फेरबदल से यही स्पष्ट हुआ कि नए मंत्रियों के चयन में योग्यता एवं अनुभव को प्राथमिकता देने के साथ ही क्षेत्रीय और सामाजिक समीकरणों का भी विशेष ध्यान रखा गया। लोकतंत्र में ऐसा करना आवश्यक होता है। केंद्रीय मंत्रिपरिषद के विस्तार के साथ प्रधानमंत्री की टीम कहीं ज्यादा व्यापक आधार वाली और पहले से अधिक सक्षम दिखने लगी है। चूंकि मंत्रिपरिषद में सहयोगी दलों की भागीदारी के साथ ही युवा चेहरों का प्रतिनिधित्व बढ़ गया है इसलिए उसकी औसत आयु पहले से कम दिखने लगी है। खास बात यह भी है कि मंत्रिपरिषद में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है। इसके साथ ही वंचित एवं पिछड़े तबकों की भी हिस्सेदारी बढ़ी है। इसका अर्थ है कि प्रधानमंत्री सोशल इंजीनियर्रंग पर न केवल काम कर रहे हैं, बल्कि उसे बल भी प्रदान कर रहे हैं। यह उनके लिए अचरज का विषय हो सकता है, जो अभी भी भाजपा को पुराने चश्मे से देखने के अभ्यस्त हैं अथवा सामाजिक न्याय के नाम पर जातियों की गोलबंदी को ही सही मानते हैं। मोदी कैबिनेट के विस्तार के द्वारा मिशन यूपी-2022 पूरा किए जाने की बात की जाए तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जो चेहरे अपनी 'टीम' के लिए चुने, वह यूपी की चुनावी पिच पर मजबूती के साथ 'बैटिंग' कर सकते हैं। यही वजह है कि मोदी कैबिनेट में किन्हीं बड़े नामों के बजाय सामाजिक समीकरणों को प्राथमिकता दी गई है। तीन पिछड़े, तीन दलित और एक ब्राह्मण बिरादरी के मंत्री के साथ ही बीजेपी ने क्षेत्रीय संतुलन भी साधा है। नए पुराने चेहरों को जोड़ लें तो पूर्वांचल से 5, अवध से 4, पश्चिम यूपी से 3, बुंदलेखंड से 2 और रुहेलखंड से एक चेहरा टीम मोदी का हिस्सा बना है। गौरतलब है कि यूपी के विधानसभा चुनाव के नतीजे जातीय और सामाजिक समीकरणों से सधते हैं। सवर्णों के साथ ही गैर-यादव ओबीसी और गैर-जाटव दलितों को अपने कोर वोट बैंक में बदलने के अभियान में बीजेपी 2014 से ही लगी हुई है। उसे इसका काफी फायदा भी हुआ है। मोदी मंत्रिमंडल विस्तार में यूपी से आए नए चेहरों में दो कुर्मी बिरादरी से हैं। अनुप्रिया और उनके दल का पूर्वांचल के कई जिलों में प्रभाव है। इस बिरादरी से आने वाले संतोष गंगवार को हटाया गया तो पंकज चौधरी को जोड़कर उसकी भरपाई भी कर दी गई। बदायूं के रहने वाले बीएल वर्मा लोध बिरादरी से आते हैं। मध्य यूपी के कई जिलों में इस बिरादरी के वोट निर्णायक हैं। तीन दलित मंत्रियों में कौशल किशोर पासी, भानुप्रताप वर्मा कोरी और एसपी सिंह बघेल धनगर बिरादरी से आते हैं। 2014 से ही गैर-जाटवों के वोट बीएसपी से छिटक कर बीजेपी में जुड़े हैं। सांसद एसपी सिंह बघेल बीजेपी के पिछड़ा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रह चुके हैं। अति पिछड़ों में पाल बिरादरी में भी उनका प्रभाव माना जाता है। हालांकि, इस समय वह आगरा की सुरक्षित सीट से सांसद हैं। अजय मिश्र टेनी अवध से आते हैं। इस बेल्ट से केंद्रीय मंत्रिमंडल में ब्राह्मणों की पहले कोई भागीदारी नहीं थी। यह कहना गलत नहीं होगा कि प्रधानमंत्री मोदी ने हमेशा की तरह इस बार भी अपनी कैबिनेट का विस्तार अपने हिसाब से करके सबको चौंका दिया है, जिन बड़े नामों के मोदी मंत्रिमंडल में शामिल किए जाने का 'शोर' काफी समय से सुनाई दे रहा था, वह 'शोर' ही साबित हुआ और बाजी कोई दूसरा मार ले गया। वरूण गांधी से लेकर रीता बहुगुणा जोशी जैसे चेहरे चर्चाओं व कयासों तक ही सिमट गए। दिल्ली में आस लगाए यूपी में भाजपा के सहयोगी दलों को भी झटका लगा है। तल्ख बयान व चेतावनी जारी करने वाली निषाद पार्टी खाली हाथ रह गई। वहीं अपना दल की अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल को भी कैबिनेट की जगह राज्यमंत्री से ही संतोष करना पड़ा है। मोदी सरकार के पिछले कार्यकाल में कैबिनेट मंत्री रहीं मेनका गांधी को 2019 में मंत्रिमंडल में जगह नहीं मिली थी। ऐसे में विस्तार में उनके बेटे व पीलीभीत से सांसद वरूण गांधी के समायोजन की चर्चा तेज थी। प्रयागराज की सांसद रीता बहुगुणा जोशी के बड़े नाम होने के साथ ही ब्राह्मण चेहरे के तौर पर शामिल किए जाने के कयास थे। हालांकि, उस बेल्ट से महेंद्र नाथ पांडेय पहले से ही केंद्रीय मंत्री हैं। भाजपा के एक वरिष्ठ नेता कहते हैं कि 2014 में मोदी युग आने के बाद से भाजपा में बाहरियों की भागीदारी जमकर बढ़ी है। दूसरे दलों से आए बड़े नामों के बीच कार्यकर्ताओं की चिंता को भी संगठन ने नजदीक से महसूस किया है। यही वजह है कि जब ईनाम देने का मौका आया तो साफ संदेश दिया गया कि अपनों का विस्तार हमारी पहली प्राथमिकता है। दरअसल, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा की नजर अलग-अलग क्षेत्रों में प्रभावी चेहरों को भी तैयार करने पर है। मोदी कैबिनेट के विस्तार में संगठन के खांटी चेहरों को जगह देना इसका साफ संकेत है। मसलन कुर्मियों में बड़ी पैठ रखने वाली अनुप्रिया पटेल को मंत्री बनाने के साथ ही पूर्वांचल से उसी बिरादरी से पंकज चौधरी को मंत्री बनाकर उनका कद बढ़ाया गया है। पंकज पार्टी के तीन दशक से अधिक पुराने कार्यकर्ता हैं। स्वास्थ्य कारणों से पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह की घटती सक्रियता के बीच उनके करीबी लोध बिरादरी के बीएल वर्मा को लगातार मिल रहा प्रमोशन भी इसी तैयारी का हिस्सा माना जा रहा है। जिससे मध्य यूपी में सामाजिक समीकरण दुरुस्त रह सके। भाजपा में प्रदेश स्तर पर प्रभावी दलित चेहरे को लेकर मंथन चलता ही रहा है। दलितों के मुद्दे पर मुखर रहे कौशल किशोर का लगातार प्रमोशन इस गैप को भरने की कवायद बताई जा रही है। कौशल किशोर को तब मंत्री बनाया गया है जबकि अपनी पुत्रवधू से विवाद के चलते उनकी काफी फजीहत होती दिख रही थी। कौशल को यह सब अनदेखा करके इस लिए तवज्जो दी गई क्योंकि उनकी अपने समाज में पैठ भी अच्छी है और वह दो दशक से अधिक समय से जमीन पर काम भी कर रहे हैं।

कोविड-19 की दूसरी लहर से FMCG उद्योग के लिए चुनौतियां बढ़ी: ITC

नई दिल्ली: आईटीसी लिमिटेड ने कहा कि भारत में कोविड-19 संक्रमण की दूसरी लहर के चलते एफएमसीजी उद्योग के लिए चुनौतियां बढ़ी हैं और पहली लहर की तुलना में इस बार ग्रामीण क्षेत्रों में वायरस का प्रकोप अधिक रहने से उद्योग की वृद्धि संभावनाओं पर असर पड़ने की आशंका भी है। आईटीसी की वर्ष 2020-21 की वार्षिक रिपोर्ट में कहा गया है कि वायरस के प्रकोप के कारण भारत में आर्थिक सुधार को लेकर अनिश्चितता बढ़ गई है। रिपोर्ट के मुताबिक उपभोक्ता अब बचत पर जोर दे सकते हैं, जिसके चलते खपत में वृद्धि प्रभावित होगी। इसके अलावा ग्रामीण मांग भी प्रभावित हो सकती है। कंपनी के निदेशकों ने रिपोर्ट में कहा, ''देश में कोविड-19 संक्रमण की दूसरी लहर की गंभीरता एक महत्वपूर्ण चुनौती है और निकट अवधि में एफएमसीजी उद्योग को सजग रहना होगा।

जोमैटो आईपीओ का रिटेल सेगमेंट पूरी तरह से सब्सक्राइब

मुंबई। ऑनलाइन फूड डिलीवरी कंपनी जोमैटो का बहुप्रतीक्षित आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) बुधवार को 72-76 रुपये प्रति शेयर के भाव पर खुला और खुदरा निवेशकों ने इसे पूरी तरह से प्राप्त किया। पेशकश के खुदरा खंड को केवल एक घंटे में पूरी तरह से सब्सक्राइब किया गया है। बोली लगाने के पहले दिन अब तक आईपीओ को करीब 20 फीसदी सब्सक्राइब किया जा चुका है। कंपनी ने मंगलवार को कहा कि उसने एंकर बुक आवंटन के तहत कई प्रमुख संस्थागत निवेशकों से 4,196 करोड़ रुपये जुटाए हैं। इसने एंकर निवेशकों को 76 रुपये प्रति शेयर की कीमत पर 55.2 करोड़ इक्विटी शेयर आवंटित किए हैं। एंकर बुक में सिंगापुर सरकार, ब्लैकरॉक, गोल्डमैन सैक्स, अबू धाबी इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी सहित अन्य प्रतिभागी थे। एंजेल ब्रोकिंग लिमिटेड में डीवीपी-इक्विटी रणनीतिकार, ज्योति रॉय ने कहा कि वैश्विक निवेशकों के साथ-साथ एंकर हिस्से में घरेलू म्यूचुअल फंडों की मजबूत भागीदारी देखी गई, जिन्हें रुपये में से 1,399 करोड़ रुपये के कुल मिलाकर 18.4 करोड़ शेयर आवंटित किए गए थे। रॉय ने कहा एंकर बुक में संस्थानों की मजबूत भागीदारी आईपीओ के लिए अच्छा संकेत है और हम संस्थागत और खुदरा निवेशकों दोनों से समान रूप से आईपीओ के लिए मजबूत मांग की उम्मीद करते हैं। मजबूत वितरण नेटवर्क, प्रवेश के लिए उच्च बाधाएं, अपेक्षित बदलाव और टियर में महत्वपूर्ण विकास के अवसरों को देखते हुए- द्वितीय और तृतीय श्रेणी के शहरों में, हमारा मानना है कि जोमैटो वैश्विक समकक्षों के मुकाबले प्रीमियम पर कब्जा करेगा और इसलिए आईपीओ पर सब्सक्राइब की सिफारिश की गई है। इस इश्यू में इंफो एज द्वारा 375 करोड़ रुपये की बिक्री का प्रस्ताव और 9,000 करोड़ रुपये का नया इश्यू शामिल है।

माइक्रोसॉफ्ट ने क्रिटिकल बग्स के लिए 117 फिक्स जारी किए

नई दिल्ली (एजेंसी)।

अपने सर्वर और सॉफ्टवेयर पर साइबर हमलों का सामना करने के बाद, माइक्रोसॉफ्ट ने अपने एक्सचेंज सर्वर में रिमोट कोड निष्पादन (आरसीई) बग सहित कई सुरक्षा सुधार जारी किए हैं। जुलाई 2021 का पैच मंगलवार को आरसीई, स्पूफिंग, स्मृति भ्रष्टाचार और सूचना प्रकटीकरण से निपटने वाली 117 कमजोरियों को ठीक करता है। कंपनी ने एक अपडेट में कहा, मासिक सुरक्षा रिलीज में गैर-सुरक्षा अपडेट के अलावा, विंडोज 10 को प्रभावित करने वाली कमजोरियों के लिए सभी सुरक्षा सुधार शामिल हैं। कंपनी ने कहा, कमजोरियों के लिए सुरक्षा परिवर्तनों के अलावा, अपडेट में सुरक्षा से संबंधित सुविधाओं को बेहतर बनाने में मदद करने के लिए रक्षा-गहन अपडेट शामिल हैं।तेरह सुरक्षा सुधार महत्वपूर्ण हैं और नौ शून्य-दिन हैं। माइक्रोसॉफ्ट ने पिछले हफ्ते प्रिंटनाइटमेयर नामक विंडोज प्रिंट स्पूलर सेवा में एक महत्वपूर्ण भेद्यता को ठीक करने के लिए एक आपातकालीन विंडोज पैच जारी किया। इस भेद्यता का सफलतापूर्वक शोषण करने वाला एक हमलावर सिस्टम विशेषाधिकारों के साथ मनमाना कोड चला सकता है। एक हमलावर तब प्रोग्राम स्थापित कर सकता है, डेटा देख सकता है, बदल सकता है या हटा सकता है, या पूर्ण उपयोगकर्ता अधिकारों के साथ नए खाते बना सकता है। माइक्रोसॉफ्ट ने कहा कि उसने जांच पूरी कर ली है और इस भेद्यता को दूर करने के लिए सुरक्षा अद्यतन जारी किए हैं। प्रिंट स्पूलर सेवा विंडोज पर डिफॉल्ट रूप से चलती है, जिसमें ओएस के क्लाइंट संस्करण, डोमेन नियंत्रक और कई विंडोज सर्वर इंस्टेंस शामिल हैं। माइक्रोसॉफ्ट ने एक अज्ञात राशि के लिए, वैश्विक खतरे की खुफिया और हमले की सतह प्रबंधन में अग्रणी, रिस्कआईक्यू का अधिग्रहण किया है, क्योंकि कंपनी का उद्देश्य डिजिटल परिवर्तन और हाइब्रिड कार्य की साइबर सुरक्षा को मजबूत करना है।

आईएलएंडएफएस को मार्च 2022 तक 58,000 करोड़ रुपए वसूली की उम्मीद

मुंबई (एजेंसी):

कर्ज से लदी इंफ्रास्ट्रक्चर लीजिंग एंड फाइनेंशियल सर्विसेज (आईएलएंडएफएस) ने बुधवार को कहा कि उसे मार्च 2022 तक अपने अनुमानित कर्ज वसूली लक्ष्य के 58,000 करोड़ रुपए या 95 प्रतिशत को पूरा करने की उम्मीद है। समूह ने इस साल अप्रैल में सितंबर 2021 के बाद कुल ऋण वसूली के अपने अनुमानों को संशोधित कर 61,000 करोड़ रुपए कर दिया था। समूह का कुल कर्ज अक्टूबर 2018 तक 99,000 करोड़ रुपए था। समूह ने बुधवार को जारी एक प्रस्तुति में कहा कि सितंबर 2021 तक 50,000 करोड़ रुपए की वसूली कर ली जाएगी। समूह ने आगे कहा, ''मार्च 2022 तक अनुमानित वसूली (समाधान के लिए) के 95 प्रतिशत (58,000 करोड़ रुपए) हिस्से को पूरा करने की उम्मीद है।'' समूह ने यह भी कहा कि 31 मई 2021 तक 43,600 करोड़ रुपए की वसूली की जा चुकी है।

थोक मुद्रास्फीति जून में घटकर 12.07 प्रतिशत हुई, खाद्य पदार्थों और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी

(एजेंसी):

कच्चे तेल और खाद्य पदार्थों की कीमतों में नरमी के चलते थोक कीमतों पर आधारित मुद्रास्फीति (डब्ल्यूपीआई) जून में मामूली रूप से घटकर 12.07 प्रतिशत रह गई। हालांकि, डब्ल्यूपीआई जून में लगातार तीसरे महीने दोहरे अंकों में रही, जिसका मुख्य कारण पिछले साल का कम आधार है। जून 2020 में डब्ल्यूपीआई मुद्रास्फीति ऋणात्मक 1.81 प्रतिशत थी विनिर्मित उत्पादों की महंगाई बनी रहने के बावजूद खाद्य पदार्थों और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी के चलते लगातार पांच महीनों की तेजी के बाद जून में थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति में नरमी आई। वाणिज्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ''मुद्रास्फीति की वार्षिक दर जून 2021 (जून 2020 के मुकाबले) 12.07 प्रतिशत है, जो जून 2020 में ऋणात्मक 1.81 प्रतिशत थी। बयान में कहा गया, ''जून 2021 में मुद्रास्फीति की उच्च दर मुख्य रूप से कम आधार प्रभाव और पेट्रोल, डीजल (एचएसडी), नेफ्था, एटीएफ, फर्नेस ऑयल जैसे खनिज तेलों और मूल धातु, खाद्य उत्पाद, रासायनिक उत्पाद जैसे विनिर्मित उत्पादों की कीमतों में वृद्धि के कारण है।समीक्षाधीन अवधि में ईंधन और बिजली की मुद्रास्फीति घटकर 32.83 प्रतिशत हो गई, जो मई में 37.61 प्रतिशत थी। इसी तरह खाद्य वस्तुओं की मुद्रास्फीति भी जून में घटकर 3.09 प्रतिशत रह गई, जो मई में 4.31 प्रतिशत थी। हालांकि, इस दौरान प्याज महंगा हुआ। विनिर्मित उत्पादों की मुद्रास्फीति जून में 10.88 प्रतिशत रही, जो इससे पिछले महीने में 10.83 प्रतिशत थी।

आईफोन बंप को कम करने के लिए कैमरा तकनीक पर काम कर रहा है एप्पल

सैन फ्रांसिस्को (एजेंसी)।

एप्पल फोल्डेड कैमरा सिस्टम के लिए प्रौद्योगिकी विकसित करना जारी रखे हुए है, जो छवि गुणवत्ता को बनाए रखते हुए भविष्य के आईफोन पर कैमरा बंप की मात्रा को कम कर सकता है। कंपनी सालों से फोल्डेड कैमरा पर काम कर रही है। यह फोल्डेड सिस्टम टेलिस्कोपिक जूम या ऑप्टिकल इमेज स्टेबिलाइजेशन जैसी सुविधाओं से समझौता किए बिना एप्पल को आईफोन के कैमरे के भौतिक थोक को कम करने की अनुमति दे सकता है। एप्पलइन्साईडर ने मंगलवार को बताया कि यूएस पेटेंट और ट्रेडमार्क कार्यालय द्वारा 13 जुलाई को दी गई इसी तरह की तकनीक को कवर करने वाले अपने सबसे हालिया पेटेंट में, टेक दिग्गज ने विस्तार से बताया कि एक फोल्ड या पेरिस्कोप जैसा कैमरा सिस्टम कैसे काम कर सकता है। पेटेंट, जिसे केवल फोल्डेड कैमरा शीर्षक दिया गया है, एक ऐसी प्रणाली का विवरण देता है जिसमें प्रिज्म जैसे दो प्रकाश तह तत्व और दो प्रिज्मों के बीच स्थित एक स्वतंत्र लेंस प्रणाली शामिल है, जिसमें एक एपर्चर स्टॉप और एक लेंस स्टैक शामिल है। हालांकि कैमरा भौतिक बल्क का उल्लेख नहीं करता है, ऐसी प्रणाली कैमरा बंपडॉटए के आकार को कम करने में मदद कर सकती है। इसके अतिरिक्त, एप्पल उच्च-रिजॉल्यूशन छवियों और जटिल कैमरा प्रौद्योगिकियों जैसे ऑटोफोकस या ऑप्टिकल छवि स्थिरीकरण (ओआईएस) की अनुमति देने पर विशेष जोर दे रहा है। एथे पेटेंट ने बताया कि कैमरे के लिए ऑटोफोकस और/या ऑप्टिकल छवि स्थिरीकरण प्रदान करने के लिए लेंस सिस्टम को प्रिज्म से स्वतंत्र रूप से एक या अधिक अक्षों पर ले जाया जा सकता है।लेंस स्टैक में अपवर्तक लेंस तत्वों के आकार, सामग्री और व्यवस्था को दूसरे प्रिज्म को समायोजित करने के लिए पर्याप्त रूप से लंबे समय तक फोकल लम्बाई प्रदान करते हुए उच्च रिजॉल्यूशन, उच्च गुणवत्ता वाली छवियों को पकड़ने के लिए चुना जा सकता है। पेटेंट के अनुसार, मोबाइल उपकरणों में उपयोग किए जाने वाले पारंपरिक छोटे कैमरे बड़े, उच्च-गुणवत्ता वाले कैमरों की तुलना में कम रिजॉल्यूशन और / या कम छवि गुणवत्ता वाली छवियों को कैप्चर करते हैं। इसके अतिरिक्त, छोटे कैमरों के लिए उच्च पिक्सेल गणना, बड़े पिक्सेल आकार के छवि सेंसर और अधिक शक्तिशाली फोटोसेंसर से लैस होने की उपभोक्ता अपेक्षाएं हैं।

राज्यों ने जुलाई-नवंबर में मुफ्त वितरण के लिए अब तक 15.3 लाख टन खाद्यान्न का उठाव किया

नई दिल्ली (एजेंसी):

राज्यों ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) के तहत मुफ्त वितरण के लिए अब तक 15.30 लाख टन खाद्यान्न का उठाव किया है। इस योजना के तहत, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) के दायरे में आने वाले लगभग 80 करोड़ लाभार्थियों को प्रति व्यक्ति प्रति माह पांच किलोग्राम अतिरिक्त खाद्यान्न कोटा प्रदान किया जा रहा है। नवंबर तक अतिरिक्त खाद्यान्न उपलब्ध कराया जाएगा। यह अतिरिक्त कोटा, एनएफएसए के अंतर्गत आने वाले लाभार्थियों को राशन की दुकानों के माध्यम से प्रति माह 1-3 रुपए प्रति किलोग्राम की अत्यधिक रियायती दरों पर प्रति व्यक्ति पांच किलोग्राम खाद्यान्न वितरण के अतिरिक्त है। एक सरकारी बयान में कहा गया है, ''भारत सरकार, खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कोविड-19 महामारी के समय में लोगों को मुफ्त खाद्यान्न वितरित करने की अब तक की सबसे लंबी कवायद चला रही है। केंद्र सरकार ने पीएमजीकेएवाई को पांच महीने यानी जुलाई-नवंबर 2021 के लिए बढ़ा दिया है और पीएमजीकेएवाई-चार (जुलाई-नवंबर 2021) के तहत 198.79 लाख टन खाद्यान्न का और आवंटन किया गया है। पीएमजीकेएवाई-चार (जुलाई-नवंबर 2021) के तहत, 31 राज्यों द्वारा उठाव का काम शुरू कर दिया गया है और 12 जुलाई, 2021 तक 15.30 लाख टन खाद्यान्न उठा लिया गया है। खाद्यान्नों की खरीद और वितरण के लिए नोडल एजेंसी, भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) ने पीएमजीकेएवाई-चार के सफल कार्यान्वयन के लिए सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में पर्याप्त स्टॉक पहले ही भेज दिया है। बयान में कहा गया है, ''मौजूदा समय में केंद्रीय पूल में 583 लाख टन गेहूं और 298 लाख टन चावल (कुल 881 लाख टन खाद्यान्न) उपलब्ध है। पीएमजीकेएवाई-तीन (मई-जून 2021) के तहत, एफसीआई ने सभी 36 राज्यों / केंद्रशासित प्रदेशों को 78.26 लाख टन मुफ्त खाद्यान्न की आपूर्ति की। कोविड-19 की दूसरी लहर के बीच गरीबों को राहत प्रदान करने के लिए मई-नवंबर के दौरान 80 करोड़ से अधिक लोगों को प्रति माह पांच किलोग्राम खाद्यान्न मुफ्त उपलब्ध कराने के लिए केंद्र इस वर्ष 93,869 करोड़ रुपए खर्च करेगा। केंद्र ने पिछले वित्त वर्ष इस योजना पर 1,33,972 करोड़ रुपए खर्च किए। पीएमजीकेएवाई के लिए कुल वित्तीय लागत 2,27,841 करोड़ रुपए होने का अनुमान है।

कोर्ट ने बिजली वितरण कारोबार निविदा पर लगी अंतरिम रोक हटाई: टोरेन्ट पावर

नई दिल्ली।

टोरेन्ट पावर ने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने दादरा नागर हवेली और दमन एवं दीव में बिजली वितरण कारोबार के लिए निविदा प्रक्रिया निलंबित रखने के बंबई उच्च न्यायालय के आदेश पर रोक लगा दी है। टोरेन्ट पावर केंद्र शासित प्रदेशों दादरा नगर हवेली और दमन एवं दीव के लिए एक बिजली वितरण कंपनी में 51 प्रतिशत इक्विटी हिस्सेदारी के लिए निविदा में सबसे अधिक बोली लगाने वाली कंपनी के रूप में उभरी थी। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि बंबई उच्च न्यायालय ने चार मार्च, 2021 को जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए निविदा प्रक्रिया को अगले आदेश तक के लिये निलंबित कर दिया था। उसने कहा किउच्चतम न्यायालय ने बंबई उच्च न्यायालय के अतंरिम आदेश पर रोक लगा दी है। मामले की सुनवाई शीर्ष अदालत करेगी।

जून में यात्री वाहनों की बिक्री ने पकड़ी रफ्तार

(एजेंसी):

कोरोना की दूसरी लहर के बीच इस वर्ष जून में देश में 231633 यात्री वाहनों की बिक्री हुई जो कोरोना कल से पहले जून 2019 में बेचे गए 209522 वाहनों से 10 फीसदी से अधिक है। पिछले वर्ष जून में कड़े लॉकडाउन के कारण वाहनों की बिक्री में जबरदस्त गिरावट आई थी और उस महीने में 105617 वाहनों की बिक्री हुई थी। वाहन बनाने वाली कंपनियों के शीर्ष संगठन सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) द्वारा आज जारी आंकड़ों के अनुसार जून महीने में देश में यात्री वाहनों, तीपहिया वाहनों, दोपहिया वाहनों और क्वाड्री साइकिल श्रेणी में कुल मिलाकर 1296807 वाहनों की बिक्री हुई जबकि पिछले वर्ष जून में यह आंकड़ा 1130744 रहा था। हालांकि जून 2019 में इन श्रेणियों में कुल मिलाकर 1910969 वाहनों की बिक्री हुई थी। सियाम के महानिदेशक राजेश मेनन ने यहां जून में समाप्त पहली तिमाही के बिक्री के आंकड़े जारी करते हुए संवाददाताओं से कहा कि महामारी के कारण पहली तिमाही में लगाए गए राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन से वाहनों की बिक्री में भारी कमी आई है हालांकि जून महीने में बिक्री में कुछ सुधार देखा गया है। मेनन ने कहा कि जून महीने में देश में 121378 यात्री वाहनों, 100760 बहुपयोगी वाहनों और 9495 वैन की बिक्री हुई है। इस तरह से जून 2021 में कुल मिलाकर 231633 यात्री वाहनों की बिक्री हुई है जबकि पिछले वर्ष जून महीने में 1055777 दोपहिया वाहनों की बिक्री हुई है जिसमें 1091 इलेक्ट्रिक दो पहिया वाहन है। इस महीने में देश में 777100 मोटरसाइकिलओ और 241689 स्कूटरओं की बिक्री हुई है जबकि जो जून 2020 में कुल मिलाकर 10 लाख 14 हजार 827 दोपहिया वाहनों की बिक्री हुई थी। मेनन ने कहा कि जून महीने में तिपहिया वाहनों की बिक्री में भारी कमी देखी गई है। इस महीने में कुल मिलाकर 9397 वाहनों की बिक्री हुई है जबकि पिछले वर्ष इस महीने में 10300 तिपहिया वाहन बिके थे।

पीएनबी हाउसिंग मामले में सेबी ने की जल्दबाजी

नई दिल्ली (एजेंसी):

प्रतिभूति अपील न्यायाधिकरण (सैट) ने पीएनबी हाउसिंग फाइनैंस के रकम जुटाने से संबंधित मामले पर सुनवाई के दौरान कहा कि भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने जल्दबाजी की है। सैट ने कहा कि पीएनबी हाउसिंग के शेयरधारकों की विशेष बैठक का नजीता निकलने के बाद सेबी को किसी निष्कर्ष पर पहुंचना चाहिए था। सैट ने सुनवाई के दौरान सेबी से पूछा, बाजार नियामक कंपनी के परिचालन में कब दखल दे सकता है? क्या शेयरधारकों का निर्णय आने से पहले सेबी का हस्तक्षेप उचित है? पहले ही कैसे मान सकते हैं कि शेयरधारक रकम जुटाने के प्रस्ताव पर राजी हो जाएंगे? क्या बाजार नियामक को लगता है कि शेयरधारक कंपनी के मुखौटे भर हैं? सैट ने कहा कि सेबी शेयरधारकों की विशेष बैठक का निर्णय आने तक इंतजार कर सकता था। मामले पर अगली सुनवाई शुक्रवार को होगी। 22 जून को पीएनबी हाउसिंग के शेयरधारकों की विशेष बैठक में कार्लाइल की अगुवाई वाले निवेशक समूह को शेयरों का तरजीही आवंटन करने से संबंधित प्रस्ताव पर मतदान होना था। यह प्रस्ताव पारित होने के लिए मतदान में उपस्थिति 75 प्रतिशत शेयरधारकों की अनुमति जरूरी थी। पीएनबी हाउसिंग का सबसे बड़ा शेयरधारक पंजाब नैशनल बैंक (पीएनबी), प्राइवेट इक्विटी कंपनी कार्लाइल, जनरल अटलांटिक और ऐरेज एसएसजी भी इस सौदे का हिस्सा हैं। इन तीनों की पीएनबी हाउसिंग में करीब 85 प्रतिशत हिस्सेदारी है। सेबी ने अपने कदम को उचित ठहराया और कहा कि प्रस्तावित सौदे का बाजार और अल्पांश शेयरधारकों पर बुरा असर होता। बाजार नियामक ने कहा कि शेयरों के तरजीही आवंटन का मालिकाना हक पर सीधा असर होता और इससे खुली पेशकश में शेयर मूल्य पर भी प्रभाव पड़ता। सेबी ने सैट में अपनी दलील में कहा, 'अगर सेबी को लगता है कि किसी कंपनी की प्रस्तावित योजना से प्रतिभूति बाजार पर असर होगा तो उसे हस्तक्षेप करना होगा।

महामारी में दिल्ली-एनसीआर में 50 प्रतिशत बढ़ी मकानों की बिक्री : प्रॉपटाइगर

(एजेंसी):

कोरोना महामारी में दूसरी लहर के चलते दिल्ली-एनसीआर में मांग बढ़ने की वजह से 2021 की दूसरी यानी अप्रैल-जून तिमाही में मकानों की बिक्री सालाना आधार पर 50 प्रतिशत बढ़कर 2,830 इकाई पहुंच गई। हालांकि महामारी की दूसरी लहर की वजह से बिक्री में तिमाही आधार पर 54 प्रतिशत गिरावट दर्ज की गई। ऑनलाइन रियल एस्टेट ब्रोकरेज कंपनी प्रॉपटाइगर डॉट कॉम के मुताबिक, इस साल जनवरी-मार्च तिमाही में दिल्ली-एनसीआर में कुल 6,190 मकान बिके थे। 2020 की समान तिमाही में मकानों की बिक्री 1,890 इकाई रही थी। दूसरी तिमाही के दौरान दिल्ली-एनसीआर में मकानों की कुल बिक्री में 36 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ गुरुग्राम सबसे आगे रहा।

यहां 1,020 मकान बिके। नोएडा-ग्रेटर नोएडा की हिस्सेदारी 34 फीसदी, फरीदाबाद के 18 फीसदी और गाजियाबाद की हिस्सेदारी 12 फीसदी रही।

सिर्फ तीन शहरों में बढ़ी बिक्री

महामारी की दूसरी लहर के कारण अप्रैल और मई में मांग लगभग खत्म हो गई थी। जून तिमाही में दिल्ली-एनसीआर, अहमदाबाद और हैदराबाद में बिक्री बढ़ी।

जबकि मुंबई, पुणे, बंगलूरू में तेज गिरावट दिखी। ब्रोकरेज कंपनी का कहना है कि दूसरी लहर के बीच बिल्डर नई परियोजनाएं लांच करने या मौजूदा परियोजनाओं के नए फेज शुरू करने से बचते रहे।

इस कारण अप्रैल-जून 2021 के दौरान नए मकानों की आपूर्ति पिछले साल की समान तिमाही के 2,016 इकाई से 59 फीसदी घटकर महज 818 इकाई रह गई। तिमाही आधार पर आपूर्ति में 83 फीसदी गिरावट दर्ज की गई।

दक्षिण कोरिया ने 5 जी डिवाइस के लिए टेस्ट बेड लॉन्च किया

सियोल (एजेंसी)।

दक्षिण कोरिया के आईसीटी मंत्रालय ने छोटे और मध्यम वर्ग की कंपनियों को समर्थन देने के लिए 5जी नेटवर्क पर चलने वाले डिवाइस के लिए एक परीक्षण सुविधा शुरू की है। विज्ञान और आईसीटी मंत्रालय के अनुसार, सियोल से लगभग 260 किलोमीटर दक्षिण पूर्व में गुमी में परीक्षण केंद्र विकसित करने के लिए देश ने 2019 से 2023 तक कुल 13.8 मिलियन डॉलर का निवेश किया है। योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, इस सुविधा का उद्देश्य स्थानीय कंपनियों को यह जांचने में सहायता करना है कि उनके कनेक्टेड डिवाइस व्यावसायीकरण से पहले स्थानीय और वैश्विक 5 जी नेटवर्क पर ठीक से काम करते हैं या नहीं। जबकि टेस्ट बेड ने अब तक गैर-स्टैंडअलोन 5 जी पर चलने वाले उत्पादों के लिए बुनियादी ढांचा स्थापित किया है, जिसके लिए 4 जी एलटीई के मदद की आवश्यकता होती है, मंत्रालय ने कहा है कि वह इस साल स्टैंडअलोन 5 जी बुनियादी ढांचा पेश करेगा। दक्षिण कोरियाई के टेलिकॉम कंपनियों ने अभी तक स्टैंडअलोन 5 जी का व्यावसायीकरण नहीं किया है, जो बेहतर विलंबता का वादा करता है, हालांकि केटी कॉर्प का लक्ष्य जल्द ही प्रौद्योगिकी को तैनात करना है। मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, मई के अंत तक, देश के 5 जी यूजर्स 15.8 मिलियन तक पहुंच गए है, जो कुल 71 मिलियन मोबाइल सब्सक्रिप्शन का 22 प्रतिशत है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जोहाना और आंद्रेस्कू ओलंपिक से हटीं

लंदन। इंग्लैंड की टेनिस खिलाड़ी जोहाना कोंटा और कनाडा की बियांका आंद्रेस्कू ने टोक्यो ओलंपिक से हटने का फैसला किया है। जोहाना ने ट्विटर पर खुलासा करते हुए कहा कि वह कोरोना पॉजिटिव हैं और आईसोलेशन में हैं। 30 वर्षीय टेनिस खिलाड़ी को विंबलडन से भी हटना पड़ा था क्योंकि उनकी टीम का एक सदस्य कोरोना संक्रमित पाया गया था। उन्होंने बयान जारी कर कहा, रिजल्ट के कारण मैं दो सप्ताह से ज्यादा तक ट्रेनिंग नहीं कर सकती। मैं नहीं कह सकती कि मैं टोक्यो ओलंपिक के लिए तैयार हूं। यह मेरे लिए दिल दुखाने वाली सच्चाई है। विश्व रैंकिंग में पांचवें स्थान पर मौजूद आंद्रेस्कू ने इंस्टाग्राम के जरिए टोक्यो ओलंपिक से हटने के बारे में जानकारी दी। आंद्रेस्कू ने कहा, मैं सभी प्रशंसकों को बताना चाहती हूं कि मैंने टोक्यो ओलंपिक से हटने का फैसला किया है। बचपन से ही मेरा सपना था कि मैंने ओलंपिक में कनाडा का प्रतिनिधित्व करूं। लेकिन कोरोना के कारण चुनौती की वजह से मुझे लगता है कि यह सही फैसला है। जोहाना और आंद्रेस्कू से पहले रोजर फेडरर, राफेल नडाल, सेरेना विलियम्सन, डेनिस शापोवालोव, निक किर्गियोस, डॉमिनिक थीम, सिमोना हालेप और स्टान वावरिंका भी टोक्यो ओलंपिक से हट चुके हैं।

टोक्यो पैरालंपिक खेलों के लिए पैरा एथलीटों का राष्ट्रीय शिविर शुरू

नई दिल्ली (एजेंसी)।

पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी देवेंद्र झाझरिया और ऊंची कूद के खिलाड़ी मरियप्पन थंगावेलु सहित रिकॉर्ड संख्या में 25 पैरा-एथलीटों ने टोक्यो पैरालंपिक खेलों के लिए अपनी अंतिम तैयारी शुरू कर दी है। पैरालंपिक खेलों का आयोजन टोक्यो में 24 अगस्त से 5 सितंबर तक होगा। पैरा-एथलीटों के लिए राष्ट्रीय कोचिंग शिविर देश भर के विभिन्न भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) केंद्रों पर शुरू हो गया है। झाझरिया साई के गांधीनगर केंद्र में प्रशिक्षण ले रहे हैं, जबकि मरियप्पन बेंगलुरु के साई साउथ सेंटर में तैयारी कर रहे हैं। पीसीआई और साई ने चार केंद्रों - सोनीपत (छह एथलीट), जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम, नई दिल्ली (10), गांधीनगर (1) और बेंगलुरु (8) में आवश्यक कोच और सहायक कर्मचारी तैनात किए हैं। मुख्य राष्ट्रीय कोच सत्यनारायण बेंगलुरु से प्रयासों का समन्वय कर रहे हैं। कोविड-19 महामारी के कारण एथलीट अपने-अपने आधार पर प्रशिक्षण ले रहे हैं, जिससे केंद्रीकृत शिविर लगाना मुश्किल हो जाता है। जिन अन्य लोगों ने अपनी अंतिम तैयारी शुरू कर दी है, उनमें भाला फेंकने वाले संदीप चौधरी, सुमित और नवदीप, योगेश कथूरिया (पुरुषों की चक्का फेंक) और सिमरन (पुरुषों की 100 मीटर धावक) शामिल हैं। पीसीआई अध्यक्ष दीपा मलिक का मानना है कि टोक्यो खेलों में इतिहास लिखा जाएगा। रियो 2016 में शॉटपुट में सिल्वर मेडल जीतने वाली दीपा ने कहा, दुनिया भारत को एथलेटिक्स के क्षेत्र में एक प्रमुख शक्ति बनते देखेगी। रियो 2016 में, सभी चार पदक एथलेटिक्स से आए थे। इस बार हम न केवल पदकों की संख्या बढ़ाने के लिए तैयार हैं, बल्कि खेलों में भारत की उपस्थिति पर भी मुहर लगाने के लिए तैयार हैं।

आईसीसी ने टेस्ट चैंपियनशिप के बदले नियम, अब टेस्ट मैच जीतने पर मिलेंगे इतने अंक

दुबई (एजेंसी)।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बुधवार को आधिकारिक तौर पर पुष्टि की कि भारत और इंग्लैंड के बीच अगस्त में पांच मैचों की श्रृंखला से शुरू होने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के दूसरे चक्र के दौरान जीत दर्ज करने पर 12 अंक, ड्रा पर चार अंक और मैच टाई होने पर छह अंक दिए जाएंगे। आईसीसी ने आगे कहा कि जीते गए अंकों के प्रतिशत का उपयोग 2021-23 के चक्र में स्थानों का निर्धारण करने के लिए किया जाएगा। इससे पहले प्रत्येक टेस्ट श्रृंखला के लिए 120 अंक तय किए गए थे जिससे असमानता पैदा होती थी क्योंकि दो टेस्ट मैचों की एक श्रृंखला में एक टेस्ट जीतने पर टीम को 60 अंक मिल जाते थे जबकि पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला में एक मैच जीतने पर केवल 24 अंक मिलते थे। पिछले महीने ही एक रिपोर्ट में कहा गया था कि आईसीसी डब्ल्यूटीसी के दूसरे चक्र के लिए नई अंक प्रणाली शुरू करने जा रही है। आईसीसी के कार्यवाहक मुख्य कार्यकारी ज्योफ अलारडाइस ने कहा कि पिछले साल के व्यवधान से सबक लेकर ये बदलाव अंक प्रणाली को सरल बनाने के लिए किए गए हैं। अलारडाइस ने आईसीसी के बयान में कहा कि हमें प्रतिक्रिया मिली कि पिछली अंक प्रणाली को सरल बनाने की जरूरत है। क्रिकेट समिति ने प्रत्येक मैच के लिए एक नयी मानकीकृत प्रणाली का प्रस्ताव रखते समय इसे ध्यान में रखा। जून 2023 में समाप्त होने वाले डब्ल्यूटीसी के दूसरे चक्र में पांच टेस्ट मैचों की केवल दो श्रृंखलाएं शामिल हैं। इनमें भारत-इंग्लैंड श्रृंखला के अलावा इस साल आस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच होने वाली एशेज श्रृंखला शामिल है। आस्ट्रेलिया के अगले साल के भारत दौरे में चार टेस्ट मैच खेले जाएंगे। यह नए चक्र में चार मैचों की एकमात्र श्रृंखला होगी। 9 टेस्ट टीमें कुल छह-छह श्रृंखलाएं खेलेंगी। इनमें से पिछली बार की तरह तीन श्रृंखलाएं स्वदेश और तीन विदेश में खेलनी होंगी।

20 बार के ग्रैंड स्लैम चैम्पियन रोजर फेडरर टोक्यो ओलंपिक से हटे

स्पोर्ट्स डेस्क।

20 बार के ग्रैंड स्लैम चैम्पियन रोजर फेडरर ने अपने टोक्यो ओपंपिक से हटने का फैसला लिया है। उन्होंने घुटने की चोट के बाद ये कदम उठाया और इस बात की जानकारी सोशल मीडिया के जरिए साझा की है। टोक्यो खेलों में टेनिस टूर्नामेंट 24 जुलाई से 1 अगस्त तक होने वाला है। इस 40 वर्षीय स्टार टेनिस खिलाड़ी ने लिखा, दुर्भाग्य से ग्रास-कोर्ट सीजन के दौरान मुझे घुटने में झटका लगा (चोट) और मैंने स्वीकार कर लिया कि मुझे टोक्यो ओलंपिक खेलों से हट जाना चाहिए। ÷मैं बहुत निराश हूं क्योंकि जब भी मैंने स्विट्जरलैंड का प्रतिनिधित्व किया है यह मेरे करियर का सम्मान और मुख्य आकर्षण रहा है। मैं पूरी स्विस टीम को शुभकामनाएं देता हूं और मैं दूर से ही कड़ी मेहनत करूंगा। फेडरर ने चार बार ओलंपिक में भाग लिया है और 2012 के लंदन खेलों में स्थानीय खिलाड़ी एंडी मरे से हारने के बाद एकल में रजत और 2008 बीजिंग खेलों में युगल में स्वर्ण पदक जीता है। फेडरर के टोक्यो खेलों से बाहर होने से स्टार एथलीटों की एक लंबी सूची देखी गई है जिसमें राफेल नडाल, सेरेना विलियम्स, डोमिनिक थिएम, सिमोना हालेप और डेनिस शापोवालोव शामिल हैं जबकि नोवाक जोकोविच अभी भी टोक्यो में अपनी उपस्थिति पर पूरी तरह आश्वस्त नहीं हैं।

शैफाली के साथ पार्टनरशिप पर बोली स्मृति मंधाना, उसके साथ साझेदारी में शामिल होना मजेदार

(एजेंसी)।

भारतीय क्रिकेटर स्मृति मंधाना ने कहा है कि शीर्ष पर शैफाली वर्मा के साथ साझेदारी करना मजेदार है। सितंबर 2019 में शैफाली के डेब्यू के बाद से दोनों ने 22 पारियों में 37.61 की औसत से 790 रन बनाए हैं जो टी20ई में ओपनिंग संयोजन द्वारा सबसे अधिक है। स्मृति ने तीसरे और सीरीज के अंतिम टी20 मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, शैफू (शैफाली) को लगभग डेढ़ साल हो गया है और हमने टी20आई प्रारूप में एक साथ ओपनिंग शुरू की है। इस दौरे में मैंने उसके साथ वनडे और टेस्ट में भी ओपनिंग की। उसके साथ साझेदारी करना बहुत मजेदार है। टी20आई के उप-कप्तान को निर्णायक मैच में उसके और शैफाली के बीच लंबे समय तक चलने की उम्मीद है। इस श्रृंखला में जोड़ी के पास 0 और 70 के स्टैंड हैं जो पहले 10 ओवरों से आगे नहीं बढ़े हैं। उन्होंने कहा, हम जानते हैं कि वास्तव में एक-दूसरे को क्या बताना है इसलिए इससे काफी मदद मिलती है, खासकर टी20आई प्रारूप में। एक चीज जो हमें शुरुआती संयोजन के रूप में काम करने की ज़रूरत है वह कम से कम 15वें या 16वें ओवर तक जारी रखना है। वह हमारी टीम के लिए अच्छा होगा। हम उस पर काम करेंगे। स्मृति ने आगे कहा, हमने बीच के ओवरों और डेथ ओवरों के बारे में भी चर्चा की है कि हम कैसे बेहतर हो सकते हैं। निश्चित रूप से एक बिंदु यह है कि हम एक समय में 2 विकेट खो रहे हैं। यह वास्तव में हमारे रन रेट पर ब्रेक लगाता है। यह कुछ ऐसा है जिसे हम एक टीम के रूप में काम करना होगा। बाएं हाथ की बल्लेबाज ने कहा, पिछले प्रारूपों में भी ऐसा हुआ था और टी20 में भी ऐसा हो रहा है कि हम एक के बाद एक विकेट गंवा रहे हैं। इससे दो नए बल्लेबाजों पर दबाव पड़ता है। हम सभी ने निश्चित रूप से अपनी गलतियों को समझा है और उम्मीद है कि हम कल के खेल में अपनी गलतियों को सुधारेंगे।

संक्षिप्त समाचार

अजीत अगरकर का दावा, धवन का टी20 वर्ल्ड कप के लिए टीम में जगह बना पाना मुश्किल

नई दिल्ली। भारत की युवा टीम शिखर धवन की कप्तानी में श्रीलंका का सामना करने वाली है। ये सीरीज इस साल होने वाली टी20 वर्ल्ड कप को ध्यान में रखकर सभी खिलाड़ियों के लिए बहुत ही जरूरी होगी है।खासकर टीम के कप्तान शिखर धवन के लिए। टी20 वर्ल्ड कप के लिए केएल राहुल और रोहित शर्मा ओपनिंग का जिम्मा संभाल सकते हैं। इसके अलावा विराट कोहली भी कह चुके हैं कि वहां भी रोहित के साथ पारी की शुरुआत कर सकते हैं।इसके बाद धवन का टीम में जगह बनाना काफी मुश्किल होगा। इस बीच टीम इंडिया के पूर्व तेज गेंदबाज अजीत अगरकर ने धवन को लेकर एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि धवन चाहे टीम इंडिया के साथ श्रीलंकाई दौरे पर सभी मैच जीत जाएं, लेकिन इसके बाद भी उनका वर्ल्ड कप के लिए टीम इंडिया में जगह बना पाना मुश्किल होगा। अगरकर का मानना है कि धवन ने कुछ गलत नहीं किया है, लेकिन फिर भी वहां टी20 वर्ल्डकप में भारत के फर्स्ट च्वॉइस ओपनर नहीं हैं। अगरकर ने कहा, उन्हें रन बनाना होगा। खासकर टी20 सीरीज में ज्यादा से ज्यादा रन बनाना ही होगा। मुझे नहीं लगता है कि आईपीएल में उन्होंने कुछ गलत किया लेकिन फिर भी रोहित शर्मा और केएल राहुल इस वक्त उनसे काफी आगे हैं। हाल ही में राहुल का प्रदर्शन खास नहीं रहा लेकिन फिर भी उन्होंने सीमित ओवर क्रिकेट में बेहतरीन खेल दिखाया है। टी20 वर्ल्ड कप में टीम के लिए रोहित के साथ कौन सा बल्लेबाज ओपनिंग करेगा इस लेकर लगातार सवाल उठ रहे हैं। टीम में इस जगह के लिए सबसे बड़े दावेदार केएल राहुल हैं।

बीजिंग में रिकार्ड बारिश, खेल, सांस्कृतिक, अकादमिक और वाणिज्यिक गतिविधियों पर रोक

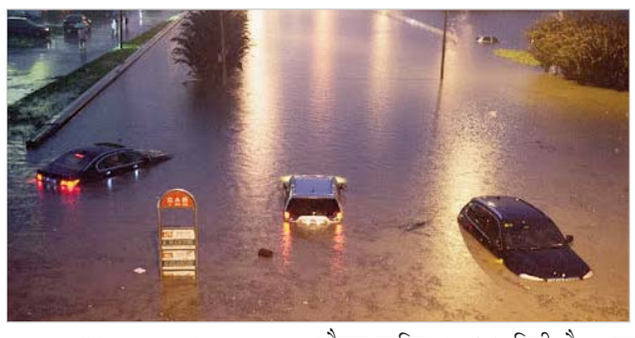

बीजिंग (एजेंसी)।

चीनी राजधानी बीजिंग में रिकार्ड बारिश ने तबाही मचा दी है।बीजिंग में महज 24 घंटे में 198.9 मिमी और बीजिंग में औसत बारिश 103.9 मिमी दर्ज हुई है। लेकिन शहरी क्षेत्रों में औसत बारिश 114.8 मिमी है। एक साल में अब तक की सबसे अधिक बारिश के बाद खेल, सांस्कृतिक, अकादमिक और वाणिज्यिक गतिविधियों पर रोक लगा दी गई है। मूसलाधार बारिश के कारण अबतक 79 लोगों की मौत हुई हैं, जबकि हजारों घर प्रभावित हुए है और मुख्य परिवहन नेटवर्क भी बाधित हो गया है।

चीन के राष्ट्रीय मौसम विज्ञान केंद्र ने चेतावनी दी है कि जिआंगसु और अनहुई के कुछ इलाकों में इस अवधि के दौरान 150 मिमी तक बारिश होगी। केंद्र ने पूर्वानुमान लगाया है कि कुछ क्षेत्रों में गरज, तेज हवाएं और ओले भी गिर सकते हैं। इसके लिए स्थानीय अधिकारियों को संभावित बाढ़ और भूस्खलन के लिए सतर्क रहने की सलाह दी गई है। इसके अलावा खतरनाक क्षेत्रों में बाहरी कार्यों को रोकने की सिफारिश की गई है। रिपोर्ट के अनुसार अत्यधिक बारिश के कारण बीजिंग में जनजीवन असामान्य हो गया है। सभी स्कूल बंद कर दिए गए हैं। ऊंची इमारतों में रहने वालों को सुरक्षित स्थानों में ले जाया गया है। हजारों सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया है। शहर में सड़कें, सबवे और बसें पूरी तरह से खाली नजर आ रही हैं। बता दें कि बीजिंग में रविवार की रात से लगातार बारिश हो रही है। बात दें कि बीजिंग में अधिकांश लोगों के मन में अभी भी जुलाई 2012 की दर्दनाक यादें हैं, जब 60 वर्षों में सबसे भारी बारिश ने अचानक शहर को प्रभावित किया था। चीनी राजधानी आमतौर पर शुष्क जलवायु और कम वर्षा के लिए जानी जाती है।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम 41 साल का सूखा खत्म करेगी : पिल्ले

मुंबई (एजेंसी)।

भारतीय टीम के पूर्व हॉकी खिलाड़ी धनराज पिल्ले को उम्मीद है कि मनप्रीत सिंह के नेतृत्व वाली भारतीय पुरुष हॉकी टीम ओलंपिक में पदक जीतने का 41 साल का सूखा खत्म करेगी। भारत के लिए चार ओलंपिक का हिस्सा रह चुके पिल्ले ने कहा, मुझे पूरा भरोसा है कि टीम इस बार सूखा खत्म करेगी। इन्होंने पिछले पांच वर्षों में काफी बेहतर किया है। फिटनेस उनका मजबूत पक्ष है। हमारे समय में ऐसा सपोर्ट सिस्टम नहीं था जैसा अब है। टीम ने 2016 और 2018 में चैंपियंस ट्रॉफी और 2015 तथा 2017 में वर्ल्ड लीग फाइनल में बेहतर प्रदर्शन किया था। पिल्ले ने मनप्रीत और महिला टीम की कप्तान रानी को एक व्यक्तिगत रूप से पत्र भेजा है, जिसमें दोनों टीमों को शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा, चूंकि मैं भी बेंगलुरु में था तो मुझे निजी तौर पर इनसे मिलना पसंद आता लेकिन प्रोटोकॉल की वजह से मैं ऐसा नहीं कर सका। मैंने इन्हें पत्र भेजकर अपनी शुभकामनाएं दी हैं। पिल्ले ने कहा, पुरुष और महिला टीमों के लिए मैं यही कहना चाहता हूं कि पोडियम फीनिश के बारे में नहीं सोचें। सिर्फ हर मैच के बारे सोचें और टूर्नामेंट के अंतिम दिन तक सिर्फ एक टीम के रूप में खेलने के बारे में सोचें।

विंडीज के खिलाफ बल्लेबाजों ने निराश किया : हेनरिक्स

सेंट लुसिया। ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर मोएसिस हेनरिक्स ने कहा है कि वेस्टइंडीज के खिलाफ चल रही सीमित ओवरों की सीरीज में टीम के बल्लेबाजों ने निराश किया है। विंडीज ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जारी पांच मैचों की टी20 सीरीज में 3-0 की अजेय बढ़त बनाई है। हेनरिक्स ने कहा, बल्लेबाजों पर दोष जाएगा क्योंकि हम लोग बेहतर स्कोर नहीं कर पा रहे हैं जिससे गेंदबाजों को मदद मिले। मैं भी स्कोर नहीं बना पा रहूं। यह ऐसा है जहां मुझे भी सुधार करने की जरूरत है और यह देखना है कि हम उन पर किस तरह दबाव बढ़ाए। उन्होंने कहा, विंडीज के पास बाउंड्री रोकने के मामले काफी डिफेंसिव गेंदबाज हैं। हमारे गेंदबाज थोड़े आक्रमक हैं। विंडीज के गेंदबाज डिफेंस के बजाए विकेट लेने में थोड़े ज्यादा क्रिएटिव हैं।

पता नहीं था कि इंग्लैंड के लिए फिर खेल पाऊंगा या नहीं : विंस

बर्मिंघम। इंग्लैंड के बल्लेबाज जेम्स विंस का कहना है कि एक सप्ताह पहले तक उन्हें पता नहीं था कि वह देश के लिए खेल भी पाएंगे या नहीं।

इंग्लैंड ने पाकिस्तान को तीसरे वनडे में हराकर 3-0 से सीरीज जीती है। इंग्लैंड की ओर से तीसरे वनडे में विंस ने 102 रनों की पारी खेली और 332 रनों के लक्ष्य को सफलतापूर्वक हासिल करने में अहम भूमिका निभाई। विंस ने कहा, पिछले सप्ताह तक मैंने उम्मीद नहीं की थी कि मैं टीम में रहूंगा। ऐसा नहीं था कि मैंने इंग्लैंड के लिए खेलने की उम्मीद छोड़ दी थी लेकिन मेरा ध्यान थोड़ा शिफ्ट हो गया था। इंग्लैंड और पाकिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज से कुछ समय पहले ही इंग्लैंड टीम में कोरोना के मामले सामने आए थे जिसके बाद इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) को नई टीम घोषित करनी पड़ी थी जिसका कप्तान बेन स्टोक्स को बनाया गया था। विंस ने क्रिकइंफो से कहा, मुझे पता है कि लोग मेरे करियर को लेकर राय रखते हैं कि मैं शुरूआत कर सकता हूं लेकिन बड़ा योगदान नहीं दे सकता। इस पारी से कुछ हद तक यह धारणा कम हुई होगी लेकिन मुझे उम्मीद है कि इससे मेरा आत्मविश्वास बढ़ेगा। ड्रेसिंग रूम में भी कई लोगों को लगेगा कि मैं ऐसा करने में सक्षम हूं।

नेतृत्वकर्ता के रूप में सभी को एकजुट और खुश रखना चाहता हूं: धवन

कोलंबो (एजेंसी)।

श्रीलंका दौरे पर भारतीय टीम की कमान संभाल रहे शिखर धवन का मानना है कि नेतृत्वकर्ता का काम सभी को एकजुट और मानसिक रूप से अच्छी स्थिति में रखना है। विराट कोहली और अन्य अहम खिलाड़ियों के न्यूजीलैंड के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए इंग्लैंड जाने के बाद बायें हाथ के बल्लेबाज धवन को सीमित ओवरों की टीम की कमान सौंपी गई। भारतीय टीम इंग्लैंड दौरे पर मेजबान टीम के खिलाफ पांच टेस्ट भी खेलेगी। भारत का श्रीलंका दौरा 18 जुलाई से शुरू होगा जिसमें टीम को तीन एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय और इतने ही टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेलने हैं। धवन ने कहा, 'यह मेरे लिए बड़ी उपलब्धि है कि मैं भारतीय टीम का कप्तान बना हूं। एक नेतृत्वकर्ता के रूप में मैं चाहता हूं कि सभी एकजुट और खुश रहें- यह सबसे महत्वपूर्ण चीज है।' उन्होंने कहा, 'हमारे पास अच्छी टीम, शानदार सहयोगी स्टाफ है और हमने पहले भी एक साथ काम किया है।' धवन ने कहा कि पूर्व दिग्गज बल्लेबाज राहुल द्रविड़ के साथ उनके रिश्ते अच्छे हैं जिन्हें श्रीलंका दौरे के लिए टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। धवन ने कहा, 'राहुल भाई के साथ मेरे रिश्ते अच्छे हैं। जब मैंने रणजी ट्रॉफी खेलना शुरू किया तो मैं उनके खिलाफ खेला और तभी से उन्हें जानता हूं। जब मैं भारत ए की ओर से खेला तो मैं कप्तान था और वह कोच थे इसलिए बातचीत होती थी।' भारतीय ओपनर ने कहा, 'जब वह एनसीए (राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी) के निदेशक बने तो हम लगभग 20 दिन के लिए वहां जाते थे इसलिए काफी बात होती थी और अब हमारे बीच अच्छे रिश्ते हैं। अब हमें छह मैच एक साथ खेलने का मौका मिला है इसलिए काफी मजा आएगा और मुझे लगता है कि हम सभी एक साथ अच्छा प्रदर्शन करेंगे।' चयनकर्ताओं ने रुतुराज गायकवाड़ और चेतन सकारिया जैसे कई उभरते हुए खिलाड़ियों को टीम में शामिल किया है जिन्हें अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का अनुभव नहीं है और धवन चाहते हैं कि ये युवा खिलाड़ी अपने सफर का लुत्फ उठाएं। उन्होंने कहा, 'टीम में युवाओं के होने और उनके सपने को साकार होते हुए देखकर खुश हूं। यह बड़ी चीज है कि ये युवा अपने शहरों से कुछ सपने लेकर निकले और उनके सपने पूरे हो रहे हैं।' धवन ने कहा, 'और अब उन्हें उस सफर का लुत्फ उठाना चाहिए जिसने उन्हें टीम इंडिया में जगह दिलाई।' धवन ने कहा कि टीम के सीनियर और युवा खिलाड़ी दोनों एक दूसरे से सीखेंगे।

ओलंपिक के लिए आईओसी की शरणार्थी टीम का अधिकारी निकला कोविड-19 पॉजिटिव

दोहा। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति की शरणार्थी टीम में एक अधिकारी यहां कोविड-19 जांच में पॉजिटिव आया है जिससे तोक्यो ओलंपिक के लिए उनकी यात्रा योजना में विलंब हो रहा है। टीम में हालांकि अन्य सदस्यों की जांच नेगेटिव आई है। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के बयान के अनुसार, 'आईओसी शरणार्थी ओलंपिक टीम कतर के दोहा में स्वागत कार्यक्रम (वेल्कम एक्सपीरिएंस) के लिए साथ में आयी थी। 29 में से 26 खिलाड़ियों और 11 अधिकारियों में इसमें हिस्सा लिया था।' इसके अनुसार, 'तोक्यो के लिए रवाना होने से पहले कोविड-19 पीसीआर जांच किए जाने के बाद एक अधिकारी पॉजिटिव पाया गया। फिर एक और जांच में नतीजे की पुष्टि हुई जबकि टीम के अन्य सभी सदस्यों (खिलाड़ियों और अधिकारियों) का परीक्षण नेगेटिव आया है।' तीन एथलीट दोहा में 'वेल्कम एक्सपीरिएंस' में हिस्सा नहीं ले पाये थे और इनमें से दो अहमद अलीकाज (जूडो) और अब्दुल्लाह सेदिकी (ताइक्वांडो) बुधवार को तोक्यो पहुंचेंगे। पॉजिटिव आए अधिकारी को पृथकवास में रखा गया है और उन्हें कोई लक्षण नहीं हैं। आईओसी ने कहा, 'इसके परिणामस्वरूप फैसला किया गया कि टीम अभी तोक्यो रवाना नहीं होगी और दोहा में अपनी ट्रेनिंग करती रहेगी और रोज उनकी जांच होती रहेगी।' सभी शरणार्थियों के साहस और उनकी दृढ़ता को देखते हुए ओलंपिक में शरणार्थी टीम पहली बार 2016 रियो खेलों में उतारी गयी थी।

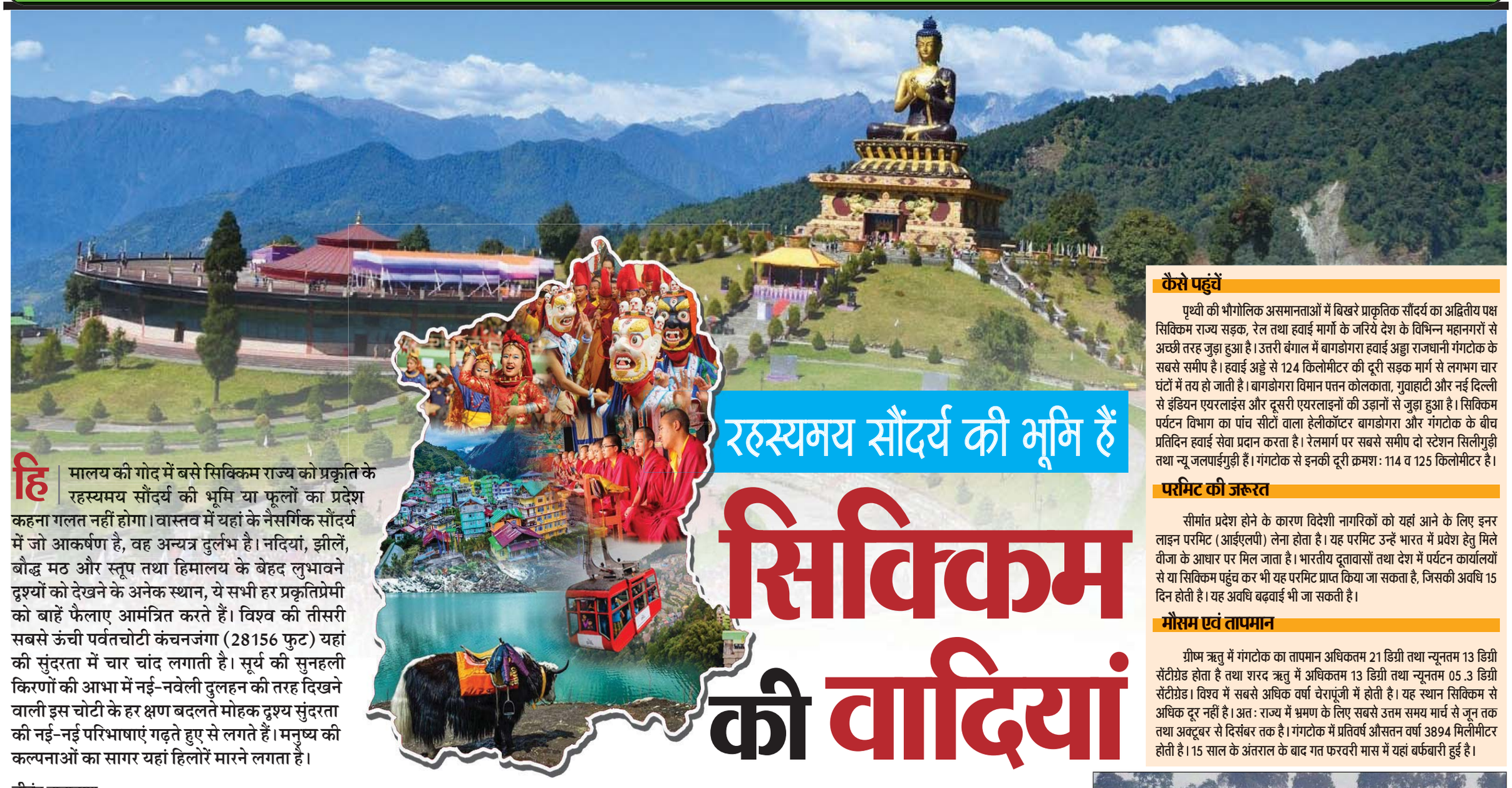

रहस्यमय सौंदर्य की भूमि हैं सिक्किम की वादियां

हिमालय की गोद में बसे सिक्किम राज्य को प्रकृति के रहस्यमय सौंदर्य की भूमि या फूलों का प्रदेश कहना गलत नहीं होगा। वास्तव में यहां के नैसर्गिक सौंदर्य में जो आकर्षण है, वह अन्यत्र दुर्लभ है। नदियां, झीलें, बौद्ध मठ और स्तूप तथा हिमालय के बेहद लुभावने दृश्यों को देखने के अनेक स्थान, ये सभी हर प्रकृतिप्रेमी को बाहें फैलाए आमंत्रित करते हैं। विश्व की तीसरी सबसे ऊंची पर्वतचोटी कंचनजंगा (28156 फुट) यहां की सुंदरता में चार चांद लगाती है। सूर्य की सुनहली किरणों की आभा में नई-नवेली दुलहन की तरह दिखने वाली इस चोटी के हर क्षण बदलते मोहक दृश्य सुंदरता की नई-नई परिभाषाएं गढ़ते हुए से लगते हैं। मनुष्य की कल्पनाओं का सागर यहां हिलोरें मारने लगता है।

कैसे पहुंचें

पृथ्वी की भौगोलिक असमानताओं में बिखरे प्राकृतिक सौंदर्य का अद्वितीय पक्ष सिक्किम राज्य सड़क, रेल तथा हवाई मार्गो के जरिये देश के विभिन्न महानगरों से अच्छी तरह जुड़ा हुआ है। उत्तरी बंगाल में बागडोगरा हवाई अड्डा राजधानी गंगटोक के सबसे समीप है। हवाई अड्डे से 124 किलोमीटर की दूरी सड़क मार्ग से लगभग चार घंटों में तय हो जाती है। बागडोगरा विमान पत्तन कोलकाता, गुवाहाटी और नई दिल्ली से इंडियन एयरलाइंस और दूसरी एयरलाइनों की उड़ानों से जुड़ा हुआ है। सिक्किम पर्यटन विभाग का पांच सीटों वाला हेलीकॉप्टर बागडोगरा और गंगटोक के बीच प्रतिदिन हवाई सेवा प्रदान करता है। रेलमार्ग पर सबसे समीप दो स्टेशन सिलीगुड़ी तथा न्यू जलपाईगुड़ी हैं। गंगटोक से इनकी दूरी क्रमश: 114 व 125 किलोमीटर है।

परमिट की जरूरत

सीमांत प्रदेश होने के कारण विदेशी नागरिकों को यहां आने के लिए इनर लाइन परमिट (आईएलपी) लेना होता है। यह परमिट उन्हें भारत में प्रवेश हेतु मिले वीजा के आधार पर मिल जाता है। भारतीय दूतावासों तथा देश में पर्यटन कार्यालयों से या सिक्किम पहुंच कर भी यह परमिट प्राप्त किया जा सकता है, जिसकी अवधि 15 दिन होती है। यह अवधि बढ़वाई भी जा सकती है।

मौसम एवं तापमान

ग्रीष्म ऋतु में गंगटोक का तापमान अधिकतम 21 डिग्री तथा न्यूनतम 13 डिग्री सेंटीग्रेड होता है तथा शरद ऋतु में अधिकतम 13 डिग्री तथा न्यूनतम 05 .3 डिग्री सेंटीग्रेड। विश्व में सबसे अधिक वर्षा चेरापूंजी में होती है। यह स्थान सिक्किम से अधिक दूर नहीं है। अत: राज्य में भ्रमण के लिए सबसे उत्तम समय मार्च से जून तक तथा अक्टूबर से दिसंबर तक है। गंगटोक में प्रतिवर्ष औसतन वर्षा 3894 मिलीमीटर होती है। 15 साल के अंतराल के बाद गत फरवरी मास में यहां बर्फबारी हुई है।

जीवंत वातावरण

भारत के उत्तर-पूर्व और पूर्व में फैले इस राज्य का क्षेत्रफल 7096 वर्ग किलोमीटर है और जनसंख्या लगभग पांच लाख। चीन के अधीनस्थ तिब्बत से व्यापारिक संबंधों के समय व्यावसायिक महत्व का स्थान रहा गंगटोक आज के सिक्किम की राजधानी है। इस शहर की स्थापना 19वीं शताब्दी के मध्य में हुई थी। इससे पहले राज्य के पश्चिमी भाग में युकसम और इसके बाद राबडेंसे नामक स्थानों को सिक्किम की राजधानी होने का गौरव प्राप्त था। देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों, हनीमून मनाने वाले जोड़ों तथा राज्य के सुदूर क्षेत्रों में ट्रेकिंग और साहसिक पर्यटन के शौकीन लोगों की आवाजाही गंगटोक के वातावरण को हमेशा जीवंत बनाए रखती है।

पर्यटन की दृष्टि से सुविधापूर्वक सिक्किम दर्शन के लिए राज्य को चार भागों में बांटा जा सकता है। सबसे पहले पूर्व में गंगटोक तथा इसके आसपास कई दर्शनीय स्थल हैं। समुद्रतल से 5800 फुट की ऊंचाई पर स्थित गंगटोक का प्रारंभ से ही समुचित विकास होता आया है। यहां अच्छे से अच्छे रहने के स्थान, यातायात के साधन तथा संचार माध्यम उपलब्ध हैं। राज्य की पारंपरिक हस्तशिल्प और हथकरघा की वस्तुओं का केंद्र भी पर्यटकों के लिए विशेष आकर्षण का स्थान है। यहां से केवल तीन किलोमीटर की दूरी पर 200 वर्ष पुराना महत्वपूर्ण बौद्ध मठ इंचे मॉनेस्ट्री है। ऐसा माना जाता है कि यहां आने वाले श्रद्धालुओं को लामा दुप्तोब कार्पो का आशीर्वाद मिलता है। लामा दुप्तोब यहां के लोकजीवन में

आस्था के एक गहरे प्रतीक के रूप में रचे-बसे हैं। हर साल जनवरी के आसपास यहां छाम नृत्य का उत्सव आयोजित किया जाता है। यह उत्सव दो दिन तक धूमधाम से मनाया जाता है। व्हाइट हॉल के पास पूरे वर्ष फूलों की प्रदर्शनी भी लगाई जाती है।

बौद्ध अध्ययन का केंद्र

गंगटोक में ही स्थित नामग्याल इंस्टीट्यूट ऑफ टिबेटोलॉजी (एनआईटी) नाम का बौद्ध संस्थान दुर्लभ लेपचा, तिब्बती व संस्कृत पांडुलिपियों, मूर्तियों, थंका, कर्मकांड और पूजन विधि में प्रयोग आने वाले कपड़ों (टेपेस्ट्रीज) आदि दो सौ से अधिक बहुमूल्य वस्तुओं तथा कलाकृतियों का खजाना है। धार्मिक और ऐतिहासिक दोनों ही दृष्टियों से महत्वपूर्ण यह संस्थान आज पूरे विश्व के लिए बौद्ध दर्शन तथा धर्म का अध्ययन केंद्र बना हुआ है।

छोग्याल पाल्डेन थोंडुप नामग्याल की स्मृति में यहां एक पार्क बना हुआ है। छोग्याल अर्थात राजा। नामग्याल वंश के 17वें तथा धार्मिक कार्यो के लिए पवित्रीकरण संस्कार प्राप्त 12वें राजा पाल्डेन थोंडुप की आर्थिक और सामाजिक सुधारों में शुरू से गहरी आस्था थी। राजा पाल्डेन आधुनिक शासन प्रणाली के समर्थक थे। इनके शासनकाल में ही सिक्किम में आधारभूत सुविधाओं की नींव रखी गई। सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने स्कूल, सड़कें, चिकित्सालय आदि बनाने, पेयजल उपलब्ध कराने, यातायात हेतु सिक्किम राष्ट्रीयकृत ट्रांसपोर्ट, हाइड्रो-इलेक्ट्रिक पॉवर स्कीम तथा ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए अन्य योजनाएं चलाने के लिए भी लगातार सहायता दी। 1982 में इनका देहांत हुआ। अंत तक वह बौद्धिक सोसाइटी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष रहे।

पवित्र छांगू झील

छांगू लेक, जिसे स्थानीय लोग छो गो लेक कहते हैं, गंगटोक से 40 किलोमीटर दूर है। समुद्रतल से 3780 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह अंडाकार झील एक किलोमीटर लंबी और 15 मीटर गहरी है। स्थानीय लोगों की मान्यताओं के अनुसार यह एक पवित्र स्थान है। शीतकाल में यह जमी रहती है। मई से अगस्त के बीच इसके चारों ओर फैली पर्वतश्रृंखला व घाटियों में विभिन्न प्रकार के फूल खिले होते हैं। यहां खिलने वाले फूलों में रोडोडेंड्रोन, कई प्रकार के प्रिमुला, नीले और पीले पॉपीज, आइरिस आदि प्रमुख हैं। लाल पांडा तथा कई प्रजातियों के पक्षियों का यह पसंदीदा स्थान है। इसी दिशा में गंगटोक से 56 किलोमीटर दूर समुद्रतल से 14200 फुट की ऊंचाई पर स्थित नाथू ला है। ला अर्थात पास या एक पहाड़ को लांघकर दूसरी ओर जाने का रास्ता। नाथू ला भारत-चीन (तिब्बत का पठार) सीमा पर स्थित है। यहां जाने के लिए पंजीकृत ट्रेवल एजेंसी के माध्यम से सिक्किम पर्यटन विभाग से परमिट लेनी पड़ती है। नाथू ला की ओर जाने की परमिट केवल भारतीय नागरिक ही पा सकते हैं।

पहाड़ी क्षेत्रों में पाई जाने वाली जड़ी-बूटियां और पेड़-पौधे देखने के शौकीन लोगों के लिए इसी क्षेत्र में स्थित सरमसा गार्डन और जवाहरलाल नेहरू बोटेनिकल गार्डन दर्शनीय हैं। जबकि वन्य जीवन में रुचि लेने वालों के लिए हिमालयन जूलोजिकल पार्क तथा फेम्बोंग लो वाइल्ड लाइफ सैंक्चुअरी दिलचस्प जगहें हो सकती हैं। इनके अलावा दो द्रुल छोरटेन, रुमटेक धर्म चक्र केंद्र, पाल जुरमांग कागयुद मॉनेस्ट्री, वाटर गार्डन, बाबा हरभजन सिंह मेमोरियल, ताशी व्यू प्वाइंट, गोन्जांग मॉनेस्ट्री, गणेश टोंक, हनुमान टोंक, नोर छो सुक तथा अरितार यहां के अन्य दर्शनीय स्थल हैं।

जहां मिट जाते हैं पाप

पश्चिमी सिक्किम में पेमायांगसे मॉनेस्ट्री सबसे प्राचीन बौद्ध मठों में से एक है। राज्य की पहली राजधानी युकसम यहीं है। तीन विद्वान लामाओं द्वारा सन् 1641 में सिक्किम राज्य के प्रथम छोग्याल (राजा) का पवित्रीकरण संस्कार यहीं किया गया था। इसका प्रमाण नोरबूगांग छोरटेन में आज भी मौजूद है, जहां पत्थरों के सिंहासन और एक पत्थर पर मुख्य लामा के पैर की छाप देखी जा सकती है। वस्तुतः इस राज्य का इतिहास यहीं से शुरू होता है। स्थानीय लोग इस क्षेत्र को अत्यंत पवित्र मानते हैं। जोंगरी-जेमाथांग

तथा कंचनजंगा बेस कैंप के लिए ट्रेकिंग कार्यक्रम भी युकसम से ही शुरू होते हैं। युकसम के बाद कुछ ही दूरी पर स्थित राबडेंसे राज्य की दूसरी राजधानी बनी थी। यहां अब केवल खंडहर शेष हैं। सन् 1814 तक यहीं से राजा ने राज्य का संचालन किया। ताशीडिंग मॉनेस्ट्री हृदय के आकार की पहाड़ी पर बनाई गई है, जिसके पीछे पवित्र कंचनजंगा पर्वत है। बौद्ध धर्मग्रंथों के अनुसार 8वीं शताब्दी में गुरु पद्मसंभाव, जिन्हें गुरु रिम्पूछे भी कहा जाता है, ने इस स्थान से ही सिक्किम की पवित्र भूमि को आशीर्वाद दिया था। ऐसा माना जाता है कि आज भी यहां आने वालों को गुरु रिम्पूछे का आशीर्वाद प्राप्त होता है। लेपचा समुदाय की बहुलता वाली इस घाटी में स्थित पवित्र गुरु इहेदू में गुरु रिम्पूछे के पैरों और हाथों के चिन्ह अभी भी सुरक्षित हैं। ताशीडिंग पवित्र छोरटेन (स्तूप) थोंग वा रांग डोल के लिए भी प्रसिद्ध है। इसका अर्थ है देखने भर से जीवनरक्षा करने वाला।

संधि भाईचारे की

उत्तरी सिक्किम में जेमू ग्लेशियर से निकलने वाली तीस्ता नदी राज्य का गौरव बढ़ाती है। व्हाइट वाटर राफ्टिंग और कयाकिंग आदि वाटर स्पोर्ट्स के शौकीन लोगों के लिए सिक्किम में यही आकर्षण का मुख्य केंद्र है। मई-जून में यहां साहसिक पर्यटन के शौकीन लोगों की खासी भीड़ जुटी होती है। भारत ही नहीं, दुनिया के अन्य देशों से भी लोग यहां रोमांचक खेलों का मजा लेने तथा प्रकृति की सुंदरता को निहारने के लिए आते हैं।

अगर आप वन्य प्राणियों के जीवन में रुचि लेते हैं तो उत्तरी सिक्किम में ही स्थित कंचनजंगा नेशनल पार्क बहुत मुफीद जगह है। 850 वर्ग किलोमीटर में फैले इस वन्य जीव अभ्यारण्य को बायोस्फीयर रिजर्व के नाम से भी जानते हैं। यहां तमाम दुर्लभ प्रजातियों के कई जीव स्वच्छंद विचरण करते हैं। इसके क्षेत्र में कई ग्लेशियर भी हैं, जिनमें जेमू ग्लेशियर सबसे लंबा और नयनाभिराम है। चिड़ियों की यहां कुल 550 प्रजातियां पाई जाती हैं। इनमें ब्लड फेजेंट, सेटायर ट्रैगोपन, ऑस्प्रे, हिमालयन ग्रिफॉन, लैमर्जियर, बर्फीला कबूतर, इंपेयन फेजेंट, सन बड्र्स और गरुड़ शामिल हैं।

विदेश में भी मौजूद हैं कई मंदिर जिन्हें देखकर आप भी कहेंगे वाह!

भारत को मंदिरों का देश भी कहा जाता है, ऐसा इसलिए क्योंकि यहां देवी-देवताओं के कई हजार मंदिर हैं। प्राचीन से लेकर नए मंदिरों के कारण भारत दुनियाभर में आकर्षण का केंद्र है। वहीं, क्या आप जानते हैं कि भारत के अलावा भी अन्य देशों में हिन्दू देवी-देवताओं के मंदिर हैं, जिन्हें दुनियाभर में मान्यता प्राप्त है। दुनियाभर में प्रसिद्ध इन मंदिरों के दर्शन के लिए लोग दूर-दूर से आया भी करते हैं। आज हम आपको उन्हीं मंदिरों के बारे में बताने जा रहे हैं जो भारत के अलावा दूसरे देशों में मौजूद हैं, आइए जानते हैं...

मुन्नेस्वरम मंदिर, श्रीलंका

श्रीलंका के मुन्नेस्वर गांव में मुन्नेस्वरम नामक ये मंदिर काफी बड़ा है। इसके परिसर में कुल 5 मंदिर स्थित हैं। यहां मां काली और भगवान शिव का भी मंदिर है। ऐसी मान्यता है कि जब श्रीराम ने राम का वध किया था तब वो यहां शिव जी की पूजा करने के लिए आए थे। ये ही कारण है कि इस मंदिर को धार्मिक तौर पर बेहद खास माना जाता है। यहां काफी लोग घूमने और शिव जी के दर्शन करने के लिए आते हैं।

अंकोरवाट मंदिर, कंबोडिया

कंबोडिया में स्थित अंकोरवाट मंदिर भगवान विष्णु को समर्पित है। हिन्दू मंदिरों में ये दुनिया का सबसे बड़ा मंदिर माना जाता है। 12वीं सदी में इसका निर्माण कम्बुज के राजा सूर्यवर्मा ने करवाया था। इस मंदिर के चारों तरफ एक गहरी खाई है, जिसकी चौड़ाई 650 फुट और लंबाई ढाई मील है, जो इस मंदिर को खास बनाता है। इस मंदिर में हर वर्ष लाखों की संख्या में लोग आते हैं। यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थलों में से एक ये मंदिर है।

मुरूगन टेंपल, ऑस्ट्रेलिया

मुरूगन मंदिर ऑस्ट्रेलिया की राजधानी सिडनी में स्थित है। यहां पहड़ों के देवता कहलाए जाने वाले भगवान मुरूगन विराजमान है। इसलिए इस विशाल मंदिर को न्यू साउथ वेल्क के पहाड़ों पर बनवाया गया है। इस मंदिर और भगवान के प्रति यहां के हिन्दुओं की अपार आस्था है।

पशुपतिनाथ मंदिर, नेपाल

भारत से करीबी देश नेपाल की राजधानी काठमांडू में पशुपतिनाथ मंदिर स्थित है। दुनिया के सबसे प्राचीन हिन्दू मंदिरों में से एक ये मंदिर है। यहां पशुपति के रूप में शिव जी की पूजा होती है। हर साल यहां काफी संख्या में लोग दर्शन करने आते हैं। यूनेस्को द्वारा इस मंदिर को विश्व विरासत स्थल का दर्जा मिला हुआ है।

प्रम्बानन मंदिर, इंडोनेशिया

इंडोनेशिया में कई हिन्दू मंदिर मौजूद हैं। इन्हीं में से एक प्रम्बानन मंदिर भी है। जिसका निर्माण नौवीं शताब्दी में किया गया था। ये मंदिर यूनेस्को की विश्व विरासत स्थल माना जाता है। ये मंदिर केवल इंडोनेशिया का ही नहीं बल्कि पूरे साउथ एशिया का बहुत बड़ा मंदिर है।

सागर शिव मंदिर, मॉरीशस

बड़ी संख्या में हिन्दू रहने वाले द्वीपीय देश मॉरीशस में सागर शिव मंदिर को एक पवित्र धार्मिक स्थल माना जाता है। इसका निर्माण साल 2007 में हुआ था। भगवान शिव की 108 फीट ऊंची कांसे की प्रतिमा इस मंदिर को खास बनाती है। भगवान शिव के दर्शन के लिए यहां लाखों की संख्या में लोग आते हैं।

रामलिंगेश्वर मंदिर, मलेशिया

मलेशिया की राजधानी क्वालालमपूर में रामलिंगेश्वर मंदिर स्थित है। साल 2012 में मलेशिया सरकार द्वारा इस मंदिर को ट्रस्ट के हवाले कर दिया गया। जिसके बाद से अब इस ट्रस्ट द्वारा ही मंदिर का प्रबंधन किया जाता है।

कटास राज मंदिर, पाकिस्तान

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के चकवाल जिले में कटास राज मंदिर स्थित है। ये एक प्राचीन भगवान शिव मंदिर है। छठी से नौवीं शताब्दी के बीच इस मंदिर का निर्माण करवाया गया था। कहा जाता है कि ये मंदिर महाभारत काल से था। इससे संबंधित पांडवों की कई कहानियां प्रसिद्ध हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

10 दिन बाद अस्पताल से बाहर निकले पोप फ्रांसिस, सर्जरी कर बड़ी आंत का कुछ हिस्सा निकाला गया

नई दिल्ली। कैथोलिक ईसाई धर्म के सर्वोच्च धर्मगुरु पोप फ्रांसिस को अस्पताल से छुट्टी मिल गई है। दअसरल, पोप फ्रांसिस आंत की सर्जरी के लिए 10 दिन पहले अस्पताल में भर्ती हुए थे। सर्जरी के दौरान उनकी बड़ी आंत का कुछ हिस्सा निकाल दिया गया था। 84 साल के पोर की सर्जरी होने के बाद सेहत में धीर-धीरे सुधार हो रहा है। दो दिन पहले पहले उन्होंने अस्पताल की बालकनी से खोड़े होकर लोगों का अभिवादन भी स्वीकार किया था। रविवार को पोप ने अस्पताल की बालकनी से कम लोगों की भीड़ को संबोधित किया था। बता दें कि साल 2013 में पोप बनने के बाद यह उनकी पहली बड़ी सर्जरी थी। सर्जती की तारीख पहले से तय थी। सितंबर में अपनी यात्रा फिर से शुरू करने से पहले पोप के पास ठीक होने के लिए पर्याप्त समय है। 12-15 सितंबर के बीच उनकी हंगरी और स्लोवाकिया जाने की योजना है। और फिर नवंबर में ग्लासगो, स्कॉटलैंड में COP26 जलवायु सम्मेलन में हिस्सा लेना है। वेटिकन ने कहा था कि फ्रांसिस को पिछले वीकेंड पर ही अस्पताल से छुट्टी मिल जाएगी लेकिन बाद में उन्होंने तय किया है कि अभी कुछ दिन और अस्पताल में रख लिया जाए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मंगलवार की दोपहर, अस्पताल से छुट्टी मिलने से पहले उन्होंने बाल चिकित्सा कैंसर वार्ड का दौरा किया।

पाकिस्तान में बस में बम विस्फोट, 9 चीनी इंजीनियरों समेत 13 लोगों की मौत, 30 हुए घायल

पाकिस्तान के उत्तरी राज्य खैबर पख्तूख्वा में एक बस में बम धमाका हुआ है, जिसमें 13 लोगों की मौत हुई है। मरने वालों में चीन के भी 9 नागरिक शामिल हैं। ये सभी इंजीनियर थे, जो चाइना-पाकिस्तान इकनॉमिक कॉरिडोर से जुड़े एक प्रोजेक्ट के लिए काम कर रहे थे। इसके अलावा एक पाकिस्तानी सैनिक की भी मौत हुई है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक बुधवार को एक बस को निशाना बनाते हुए आतंकियों ने धमाका किया था। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि विस्फोटक रोड पर कहीं रखा था या फिर बस में ही बम प्लांट किया गया था। पाकिस्तान के एक सरकारी अधिकारी ने नाम उजागर ने करने की शर्त पर रॉयटर्स को बताया कि बम धमाके के बाद बस एक गहरे नाले में जा गिरी, जिसके चलते बड़े पैमाने पर नुकसान हुआ। शुरुआत में 8 लोगों के ही मरने की जानकारी मिली थी, लेकिन बाद में लापता एक चीनी इंजीनियर और एक पाकिस्तानी सैनिक का शव मिला। इस तरह से मरने वालों का आंकड़ा बढ़ते हुए 10 हो गया था और अब तीन और लोगों के मरने की जानकारी मिली है।फिलहाल राहत एवं बचाव कार्य जारी है और घायलों को एयर एंबुलेंस के जरिए इलाज के लिए अस्पताल ले जाया जा रहा है। इस बम धमाके में बड़ी संख्या में लोग घायल भी हुए हैं। हजारा क्षेत्र के एक प्रशासनिक अधिकारी ने कहा कि जिस बस को निशाना बनाते हुए धमाका किया गया था, उसमें करीब 30 चीनी इंजीनियर भी सवार थे। ये लोग ऊपरी कोहिस्तान इलाके में स्थित दासू डैम पर जा रहे थे।

ड्रैगन के गुस्से का डर! चीनियों पर हमले को क्यों एक्सीडेंट बता रही इमरान खान की सरकार?

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में खैबर पख्तूनख्वाह के कोहिस्तान जिले में बुधवार सुबह हुए बम विस्फोट में कई चीनी इंजीनियरों सहित कम से कम एक दर्जन लोग मारे गए हैं, जबकि 37 घायल हैं। इस विस्फोट से पाकिस्तान में बड़े पैमाने पर निवेश कर रहे चीनी सरकार की चिंता बढ़ गई है। चीनियों को सुरक्षा देने में नाकाम रही इमरान खान की सरकार को भी ड्रैगन की नाराजगी का डर सताने लगा है और यही वजह है कि पाकिस्तान सरकार हमले को दुर्घटना बताने में जुट गई है। जियो न्यूज चैनल के अनुसार चीनी इंजीनियर और कर्मचारियों के साथ यह वाहन दसू हाइड्रो पावर प्लांट की ओर जा रही थी और इसी दौरान विस्फोट के बाद बस खाई में जा गिरी। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने इसे दुर्घटना बताते हुए कहा है कि बुधवार को ऊपरी कोहिस्तान में बस हादसे का शिकार हो गई, जिसमें 9 चीनी और 3 पाकिस्तानी नागरिकों की मौत हुई है। विदेश मंत्रालय ने बयान जारी करके कहा है, 'मैकेनिकल दिक्कत की वजह से गैस लीकेज हुई और ब्लास्ट हो गया। आगे की जांच की जा रही है।'

इमरान के सलाहकार ने बताया हमला

शुरुआती रिपोर्ट्स में विरोधाभासी दावों के बीच प्रधानमंत्री इमरान खान के संसदीय मामलों के सलाहकार बाबर अवान ने नेशनल असेंबली के फ्लोर पर इसे 'कायराना हमला' बताया और कहा कि यह पाकिस्तान और इसके पड़ोसियों के बीच विशेष पहलों से ध्यान नहीं हटाएगा। हमले की निंदा करते हुए अवान ने कहा कि वह गृहमंत्री शेख राशिद अहमद से कहेंगे कि देश के सुरक्षा हालातों पर जानकारी दें और इस सदन को विश्वास में लें।

चीन ने कहा- दोषियों को दो सजा

इस बीच चीन ने पाकिस्तान से कहा है कि घटना की विस्तृत जांच होनी चाहिए। हमले की निंदा करते हुए विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजियान ने पाकिस्तान से अपील की है कि हमले के दोषियों को सख्त सजा दी जाए। साथ चीनी नागरिकों, संगठनों और प्रॉजेक्ट्स की सुरक्षा सुनिश्चित करने को कहा है।

स्पेस वॉर का बढ़ा खतरा ! अंतरिक्ष में मार करने वाले हथियारों को विकसित कर रहा ड्रैगन

बीजिंग। (एजेंसी)।

चीन लगातार विश्व के कई विकसित देशों के लिए चुनौती बनता जा रहा है। वह अपनी सैन्य शक्ति तो विकसित कर ही रहा है साथ ही साथ अब अंतरिक्ष मामले में भी अपनी तैयारी को और मजबूत कर रहा है। चीन को लेकर एक अमेरिकी रिपोर्ट सामने आई है। इस रिपोर्ट ने पूरी दुनिया की चिंता बढ़ा दी है। दरअसल, रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि चीन तेजी से अंतरिक्ष में मार करने वाले हथियार को विकसित कर रहा है। अगर चीन ऐसा करने में सफल होता है तो उसकी सैन्य क्षमता और भी मजबूत हो जाएगी। इससे सबसे ज्यादा चिंता अमेरिका को है। अमेरिकी खुफिया विभाग ने इस बात का भी दावा किया है कि चीन उन हथियारों को ज्यादा महत्व दे रहा है जो उसके और अमेरिका के बीच अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में असमानता को कम कर सकता है।

भारत के एक न्यूज वेबसाइट पर लिखी रिपोर्ट के अनुसार एक रूसी वेबसाइट ने दावा किया है कि चीन इसके लिए काफी निवेश भी कर रहा है। चीन

चीन ने साइबर सुरक्षा पर अपना नियंत्रण और मजबूत किया

चीन के प्रौद्योगिकी विशेषज्ञों को कंप्यूटर की सुरक्षा में किसी तरह की कमजोरी मिलने पर इसकी जानकारी सरकार को देने की जरूरत होगी। वे अपनी इस जानकारी को बेच नहीं सकेंगे। इस नियम के साथ चीन की सत्ताधारी कम्युनिस्ट पार्टी ने सूचना पर अपना नियंत्रण और मजबूत कर लिया है। इन नियमों के तहत निजी क्षेत्र के विशेषज्ञ कमजोरियों से संबंधित सूचनाओं को पुलिस, जासूसी एजेंसियों या कंपनियों को नहीं बेच सकेंगे, जैसा वे पहले करत थे। इस तरह की खामियां हैकिंग हमलों की प्रमुख वजह है। ऐसा ही एक हमला रूस से जुड़े एक समूह ने इसी महीने किया है। इससे कम से कम 17 देशों की कंपनियां प्रभावित हुई हैं। चीन लगातार अपनी लोगों तथा अर्थव्यवस्था जुड़ी संवेदनशील सूचनाओं पर पकड़ मजबूत कर रहा है। कंपनियों के चीन के उपभोक्ताओं के डेटा को चीन के बाहर रखने पर रोक है।

उन हथियारों को खरीद रहा है जो उपग्रहों को जाम और नष्ट करने की क्षमता रखते हैं। इसके साथ-साथ यह हथियार अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी खतरा पैदा कर सकते हैं। चीन डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन द्वारा यूएस स्पेस फोर्स के गठन के बाद अंतरिक्ष में मार करने वाले हथियारों में अपनी क्षमता बढ़ाने की लगातार कोशिश कर रहा है। उधर, अमेरिका चीन की सैन्य प्रगति के बारे में लगातार चेतावनी देता रहा है। अमेरिका को इस बात की आशंका है कि अगर चीन किसी युद्ध में शामिल होता है तो वह अपने उद्देश्यों को साधने में सफल हो सकता है।

कोलंबिया में गैरकानूनी सशस्त्र समूहों को खत्म करने के लिए राष्ट्रीय नीति सकारात्मक कदम : भारत

संयुक्त राष्ट्र। (एजेंसी)।

भारत ने संयुक्त राष्ट्र में कहा कि गैरकानूनी सशस्त्र समूहों को खत्म करने के लिए कोलंबिया की राष्ट्रीय नीति शासकीय प्रतिष्ठानों को स्थापित करने की दिशा में सकारात्मक कदम है और उसने उम्मीद जतायी कि इसके कार्यान्वयन के लिए एक रूपरेखा जल्द ही तैयार की जाएगी। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत टी एस तिरुमूर्ति ने मंगलवार को कोलंबिया में संयुक्त राष्ट्र सत्यापन अभियान पर सुरक्षा परिषद की बैठक में कहा कि कोलंबिया में संघर्ष को खत्म करने और एक स्थिर एवं शांत देश बनाने के लिए अंतिम समझौते के कार्यान्वयन में ''अच्छी खासी प्रगति'' देखी जा रही है।

उन्होंने कहा, ''आज राजनीतिक भागीदारी बढ़ाने के जरिए कोलंबिया में लोकतंत्र मजबूत हो रहा है। पीड़ितों को न्याय दिलाने और क्षतिपूर्ति करने के लिए परिवर्तनकारी न्यायिक व्यवस्था सुदृढ़ हो रही है।'' उन्होंने पिछले चार वर्षों में उपलब्धियां हासिल करने के लिए कोलंबिया के लोगों और सरकार के प्रयासों की

तारीफ की। उन्होंने कहा कि कोविड-19 महामारी समेत कई जटिल चुनौतियों के बावजूद अंतिम समझौते के कार्यान्वयन में पिछले तीन महीने में प्रगति सकारात्मक रही है।

जैकब जुमा को कैद की सजा सुनाए जाने पर दक्षिण अफ्रीका में फैली हिंसा, 72 की मौत

जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका में पूर्व राष्ट्रपति जैकब जुमा को कैद की सजा सुनाए जाने पर पिछले हफ्ते से दो प्रांतों में हिंसा की घटनाओं में मरने वाले लोगों की कुल संख्या बढ़ कर 72 पर पहुंच गई। हालांकि, हिंसा प्रभावित इलाकों में पुलिस और सेना ने अशांति रोकने की कोशिश की है। अधिकारियों ने बताया कि गाउतेंग और क्वाजुलु नटाल प्रांतों में

कई मौतें हुई, जहां लोगों ने कई दुकानों से भोजन, बिजली उपकरण, शराब और कपड़े चुराए। जुमा को अदालत की अवमानना के मामले में बृहस्पतिवार को 15 महीने की कैद की सजा सुनाई गई थी, जिसके बाद छिटपुट हिंसा भड़क गई थी। गाउतेंग प्रांत के प्रीमियर डेविड मखुरा ने बताया, ''आपराधिक तत्वों ने स्थिति का फायदा उठाया। हालांकि, प्रांत में 400 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया है। लेकिन स्थिति नियंत्रित होने से अभी दूर है। '' उन्होंने दक्षिण अफ्रीकी ब्रॉडकास्ट कॉरपोरेशन से कहा, ''हम समझ सकते हैं कि जो बेरोजगार हैं, उनके पास पर्याप्त भोजन नहीं है। हम समझ सकते हैं कि स्थिति महामारी के चलते बदतर हो गई। लेकिन यह लूट यहां हमारे कारोबार को कमजोर कर रही है। '' इस बीच मंगलवार को भी जोहानिसबर्ग के शॉपिंग मॉल में लूटपाट जारी रही।

हैती के राष्ट्रपति की हत्या के पीछे अमेरिकी सरकार का एक मुखबिर था शामिल! भगौड़े संदिग्धों की तलाश जारी

पोर्ट ऑ प्रिंस (हैती)। (एजेंसी)।

हैती के राष्ट्रपति जोवेनेल मोइसे की हत्या की जांच के तहत देश के एक पूर्व सांसद, एक बर्खास्त सरकारी अधिकारी और अमेरिका सरकार के एक मुखबिर समेत पांच और संदिग्धों की हाल में पहचान की गई है। इस बीच, पुलिस और सैन्य बलों के समर्थन से हैती के अंतरिम प्रधानमंत्री बने क्लाउड जोसेफ के नेतृत्व को दो अन्य प्रतिद्वंद्वी एरियल हेनरी और जोसेफ लैम्बर्ट चुनौती दे रहे हैं। हेनरी को मोइसे ने अपनी हत्या से पहले प्रधानमंत्री नामित किया था और हैती की विघटित सीनेट के प्रमुख लैम्बर्ट को जाने-माने नेताओं के एक समूह ने हाल में अंतरिम राष्ट्रपति चुना है। इस बीच, मुख्य विपक्षी दलों के गठबंधन 'डेमोक्रेटिक एंड पॉपुलर सेक्टर' ने 'इंडिपेंडेंट मोरल अथॉरिटी' (स्वतंत्र नैतिक प्राधिकरण) के गठन के लिए मंगलवार को अपना प्रस्ताव पेश किया।

हैती के नागरिक समाज के सदस्यों ने भी मंगलवार को घोषणा की कि वे सत्ता से सुचारू हस्तांतरण को सुनिश्चित करने के लिए काम कर रहे हैं, लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया कि वे हैती के नेतृत्व के लिए किस व्यक्ति का समर्थन करते हैं। उधर, व्हाइट हाउस की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद ने बताया कि जोसफ, हेनरी और लैम्बर्ट ने रविवार को एक अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। यह प्रतिनिधिमंडल ''किसी राजनीतिक समझौते पर पहुंचने के लिए वार्ता को प्रोत्साहित करने के मकसद से हैती आया था, ताकि देश में स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव हो सकें।'' हैती ने देश को स्थिर करने और चुनावों की तैयारी के मद्देनजर अहम प्रतिष्ठानों की रक्षा के लिए अमेरिका और संयुक्त राष्ट्र से अपने सैन्य बलों को तैनात करने का अनुरोध किया है। हैती में सात जून को मोइसे के आवास पर हमला किया गया था, जिसमें उनकी मौत हो गई और उनकी पत्नी मार्टिने घायल हो गई थीं। हमलावरों को पकड़ने के लिए पुलिस की जांच और तलाश बुधवार को भी जारी रही। देश के एक पूर्व सांसद, एक बर्खास्त सरकारी अधिकारी और अमेरिका सरकार का एक मुखबिर पांच भगौड़ों में शामिल हैं। पुलिस का कहना है कि इन लोगों के पास हथियार हैं और ये खतरनाक हैं। एक संदिग्ध की पहचान पूर्व सीनेटर जॉन जोएल जोसफ के रूप में की गई। वह हैती के जाने माने नेता हैं और मोइसे की टेट काले पार्टी के विरोधी हैं। यूट्यूब पर पिछले साल पोस्ट किए गए वीडियो में जोसफ ने मोइसे की तुलना कोरोना वायरस से की थी और कहा था कि उनके प्रशासन में देशवासी भूख और हिंसा के कारण मारे जा रहे है। पुलिस ने दूसरे संदिग्ध की पहचान जोसफ फेलिक्स बाडियो के रूप में की है, जिसने हैती के विधि मंत्रालय में पहले काम किया था और वह मार्च 2013 में सरकारी की भ्रष्टाचार विरोधी इकाई में शामिल हो गया था। एजेंसी ने एक बयान जारी करके कहा कि बाडियो को अनिर्दिष्ट नैतिक नियमों के ''गंभीर उल्लंघन'' के कारण बर्खास्त कर दिया गया था। तीसरे संदिग्ध की पहचान रोडोल्फे जार के रूप में की गई है। अदालत के रिकॉर्ड के अनुसार, वह हैती में पैदा हुआ था, वह अंग्रेजी बोलता है और उसके पास 'बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन' में कॉलेज की डिग्री है। जॉर उर्फ व्हिस्की के खिलाफ हैती के जरिए अमेरिका में कोकीन की तस्करी के मामले में दक्षिण फ्लोरिडा की एक संघीय अदालत में मुकदमा चला था और उसे चार साल कारावास की सजा सुनाई गई थी। मुकदमे की सुनवाई के दौरान जार के वकील ने 2015 में अदालत से कहा था कि जार कई साल तक अमेरिका सरकार का मुखबिर रहा है। हैती में प्राधिकारी कोलंबिया की सरकार की मदद से मोइसे की हत्या की जांच कर रहे है। कोलंबिया सरकार ने बताया कि हत्या में शामिल होने के संदेह में 26 में से 23 कोलंबियाई सैनिकों को गिरफ्तार कर लिया गया है और वे हैती में हिरासत में हैं। हैती की राष्ट्रीय पुलिस के प्रमुख लियोन चार्ल्स ने बताया कि तीन हैती नागरिकों को भी गिरफ्तार किया गया है और कम से कम तीन संदिग्ध मारे गए हैं।

अफगानिस्तान से सैनिकों को बुलाना गलती, क्रूर तालिबानियों के हाथों लोगों को मरने के लिए छोड़ दिया : जॉर्ज बुश

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)।

अफगानिस्तान से नाटो सेनाओं की वापसी के फैसले को अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जॉर्ज बुश ने गलत करार दिया है। जॉर्ज बुश ने रविवार को कहा कि अफगानिस्तान से नाटो सेनाओं को वापस बुलाकर नागरिकों को तालिबान के हाथों मरने के लिए छोड़ दिया गया है। जर्मनी के चैनल डोएचे वेले से बातचीत में बुश ने कहा, 'अफगानिस्तान की महिलाएं और लड़कियां ऐसी पीड़ा से गुजर रही हैं, जिसे वे बयां भी नहीं कर सकतीं। यह एक बड़ी गलती है। उन्हें बेहद क्रूर तालिबानियों के हाथों मरने के लिए छोड़ दिया गया है। इससे मेरा दिल टूट रहा है।'

पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जॉर्ज बुश ने ही 2001 में अमेरिका और सहयोगी देशों को अफगानिस्तान भेजने का फैसला लिया था। 11 सितंबर, 2001 को अमेरिका के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर हुए आतंकी हमले के बाद यह फैसला लिया गया था। जॉर्ज बुश ने कहा कि मेरा मानना है कि अफगानिस्तान से सैनिकों

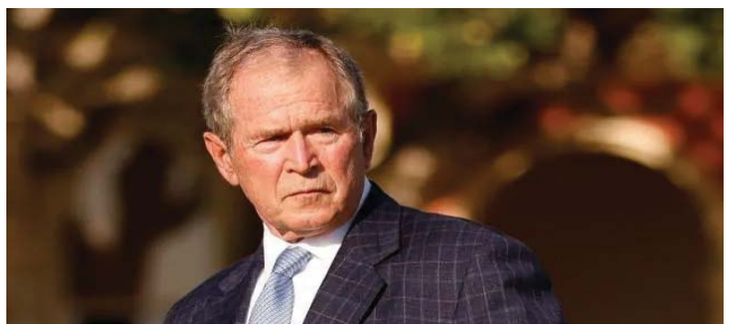

की वापसी गलत है। जर्मन चांसल अंगेला मर्केल भी शायद ऐसा ही सोचती हैं। मर्केल की तारीफ करते हुए जॉर्ज बुश ने कहा कि वह इस साल राजनीति से रिटायर होने वाली हैं और 16 साल के अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने कठिन फैसलों को भी पूरी गरिमा और सम्मान के साथ लिया है।

तालिबान ने जमाया, अफगानिस्तान के बड़े हिस्से पर कब्जा

बता दें कि दो दशक के लंबे दौर के बाद इसी साल मई से अमेरिकी सेनाओं ने अफगानिस्तान से अपनी वापसी शुरू की है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने 11 सितंबर तक अपने सभी सैनिकों को अफगानिस्तान से वापस बुलाने का फैसला लिया है। अमेरिका के 2,500 और नाटो के 7,500 सैनिकों की मौजूदगी अब तक अफगानिस्तान में थी, जिन्हें अब वापस बुलाया जा रहा है। इस बीच तालिबान एक बार फिर से अफगानिस्तान में एक्टिव हो गया है। कई शहरों और ईरान एवं पाकिस्तान से जुड़े सीमांत इलाकों समेत देश के बड़े हिस्से पर अब तालिबान ने कब्जा जमा लिया है।

तालिबान की क्रूरता का खौफनाक वीडियो आया सामने, अफगान कमांडो पर की गोलियों की बारिश

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

अफगानिस्तान में तालिबानियों की हिंसा जारी है लोग डर से अपने घरों को छोड़ने को मजबूर हो गए है। इसी बीच एक खौफनाक वीडियो सामने आया है जिसमें बेरहम तालिबानियों ने अफगान के

सैनिकों को मौत के घाट उतार दिया। वीडियो के मुताबिक, अफगान कमांडो की गोलियां खत्म हो जाती है जिसके कारण उन्हें तालिबान के सामने आत्मसमर्पण करना पड़ा जाता है। जैसे ही अफगान कमांडो आत्मसमर्पण करते है वैसे ही आतंकियों का समूह अल्लाह हू अकबर के नारे लगाकर उन पर गोलियों की बरसात करना शुरू कर देते है। बता दें कि निहत्थे अफगान सेना के 22 कमांडो की मौके पर ही मौत हो जाती है। सीएनएन की एक रिपोर्ट के मुताबिक, यह हत्याकांड अफगानिस?तान के फरयाब प्रांत के दौलताबाद में 16 जून को हुआ है।

घरों से भागने को मजबूर हुए लोग

उत्तरी अफगानिस्तान में तालिबान की सक्रियता बढ़ने के कारण हजारों लोग अपने घर छोड़ने को मजबूर हो गए हैं। इन हजारों लोगों में से ही एक है 11 या शायद 12 वर्षीय सकीना, जिसे तालिबान के उसके गांव पर कब्जा करने और स्थानीय स्कूल को जलाकर खाक करने के बाद अपने परिवार के साथ अपना घर छोड़ना पड़ा। देश के उत्तरी हिस्से में स्थित मजार-ए-शरीफ में एक चट्टान पर बने एक अस्थायी शिविर में ऐसे करीब 50 मजबूर परिवार रह रहे हैं। वे प्लास्टिक के टेंट में चिलचिलाती गर्मी में रहते हैं, जहां दोपहर में पारा 44 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है। इस स्थान पर एक भी पेड़ नहीं है और पूरे शिविर के लिए केवल एक शौचालय है। वह एक गंदा सा तंबू है, जो एक गड्ढे पर बना है, जिसमें से काफी दुर्गंध आती है।

चीन ने कहा- आतंकवादी बलों से 'पूरी तरह संबंध तोड़े' तालिबान!

बीजिंग। (एजेंसी)।

चीन ने अफगानिस्तान में आक्रामक गतिविधियां तेज कर रहे तालिबान संबंधी अहम नीतिगत बयान में संगठन से विशेषकर ईस्ट तुर्किस्तान इस्लामिक पार्टी (ईटीआईएम) समेत सभी आतंकवादी बलों से ''पूरी तरह संबंध तोड़ने'' को कहा है। अलकायदा समर्थित उइगर मुसलमान आतंकवादी समूह ईटीआईएम चीन के शिनजियांग प्रांत की आजादी के लिए संघर्ष कर रहा है। चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने दुशान्बे में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि अफगानिस्तान में युद्ध, खासकर गृह युद्ध से बचा जाना चाहिए। उन्होंने अफगानिस्तान में राजनीतिक सुलह तलाशने और सभी प्रकार के आतंकवादी बलों को वहां मजबूत होने से रोकने के लिए अंतर-अफगान वार्ता पुनः शुरू करने की वकालत है। वांग ने मंगलवार को कहा कि अफगानिस्तान में बड़े सैन्य बल के तौर पर तालिबान को राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारियां निभानी चाहिए और सभी आतंकवादी संगठनों से ''पूरी तरह संबंध तोड़ने'' चाहिए तथा अफगान राजनीति की मुख्यधारा में लौटना चाहिए।

चीन के मित्र पाकिस्तान पर तालिबान आतंकवादियों को पनाह देने का अक्सर आरोप लगाने वाली अफगानिस्तान सरकार की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान के राष्ट्रपति अशरफ गनी ने राष्ट्र की एकता, सामाजिक स्थिरता और लोगों की आजीविका में सुधार के लिए बहुत काम किया है। चीनी आधिकारिक मीडिया ने बुधवार को यहां बताया कि वांग ने ताजिकिस्तान के विदेश मंत्री सिरोजिद्दीन मुहरिद्दीन के साथ दुशान्बे में बातचीत के बाद एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन के दौरान यह टिप्पणी की। उनकी यह टिप्पणी शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के विदेश मंत्रियों की दुशान्बे में होने वाली बैठक से पहले आई है, जिसमें वांग के अलावा विदेश मंत्री एस जयशंकर और पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी शामिल होंगे। गौरतलब है कि अफगानिस्तान के विदेश मंत्री मोहम्मद हनीफ अतमार को एससीओ संपर्क समूह में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया है।

यह बैठक विदेश मंत्रियों की बैठक के तुरंत बाद होगी। आठ सदस्यीय एससीओ समूह में चीन, रूस, कजाखस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान, भारत और पाकिस्तान शामिल हैं। अफगानिस्तान एससीओ समूह का पर्यवेक्षक है। वांग ने कहा कि चीन अमेरिकी सैनिकों की वापसी के बाद अफगानिस्तान से व्यापक समावेशी राजनीतिक व्यवस्था स्थापित करने, ठोस मुस्लिम नीति का पालन करने, सभी आतंकवादी एवं चरमपंथी विचारधाराओं का दृढ़ता से मुकाबला करने और सभी पड़ोसी देशों के साथ मित्रवत संबंधों के लिए प्रतिबद्ध होने की उम्मीद करता है। पर्यवेक्षकों का कहना है कि तालिबान पर वांग की टिप्पणियों से संकेत मिलता है कि चीन तालिबान के उस हालिया बयान को तवज्जो नहीं देना चाहता, जिसमें उसने चीन को अपना मित्र बताया था। चीन ईटीआईएम के सैकड़ों लड़ाके को लेकर चिंतित है। ईटीआईएम उइगर मुस्लिम बहुल शिनजियांग प्रांत में विद्रोह भड़काने की कोशिश कर रहा है। शिनजियांग की सीमा पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर और ताजिकिस्तान से भी लगती है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

युवक ने शादी से पहले मंगेतर से बनाए शारीरिक संबंध, पिता ने सगाई तोड़ दुष्कर्म की रिपोर्ट करा दी

क्रांति समय दैनिक

सूरत,शहर के भेस्तान में क्षेत्र निवासी युवक ने शादी से पहले अपनी नाबालिग मंगेतर के साथ तीन दफा शारीरिक संबंध बनाए। इस बात की भनक जब किशोरी के पिता को हुई उसने बेटी की सगाई तोड़ दी और उसके मंगेतर के खिलाफ दुष्कर्म रपट दर्ज करवा दी। जिसके आधार पर अठवा लाइन पुलिस ने मामले की जांच शुरूकी है। जानकारी के मुताबिक सूरत के भेस्तान क्षेत्र के गोल्डन फ्लैट निवासी मोहमद साजिद झारा नामक युवक को उसके घर निकट रहनेवाली 15 वर्षीय किशोरी से प्यार हो गया। किशोरी के परिवार को जब इसका पता चला तो उसने मोहमद साजिद के परिजनों से मिलकर दोनों का रिश्ता तय कर दिया। हांलाकि बाद में किशोरी का परिवार भेस्तान क्षेत्र छोड़ शहर के अठवा पुलिस लाइन इलाके में रहने लगा। इस बीच शादी होने से पहले पिछले एक साल के भीतर मोहमद साजिद ने अपनी नाबालिग मंगेतर के साथ जबरन तीन दफा शारीरिक संबंध बनाए। इस बारे में जब किशोरी के पिता को पता चला तो उन्होंने अपनी बेटी का रिश्ता तोड़ दिया और अठवा लाइन पुलिस थाने में मोहमद साजिद के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज करवा दिया। अठवा लाइन पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सूरत में पति की मौत के बाद घर ले जाने के लिए पैसे नहीं थे तो पत्नी 17 घंटे तक शव के पास बैठी रही और मदद की गुहार लगाती रही

सूरत शहर में एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। उनपटिया इलाके की एक महिला 17 घंटे से शव के पास बैठी थी और मदद के लिए फोन कर रही थी क्योंकि उसके पति के पास उसकी मौत के बाद उसे घर ले जाने के लिए पैसे नहीं थे। पीड़िता की दुर्दशा सुनकर डॉक्टर उस समय हैरान रह गए जब पत्नी आज सुबह पति के शव को सिविल ले आई।

सार–समाचार

पीएम मोदी शुक्रवार को नवीनीकृत ''गांधीनगर केपिटल रेलवे स्टेशन'' का लोकार्पण करेंगे

अहमदाबाद,प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार, 16 जुलाई 2021 को गुजरात की राजधानी गांधीनगर में पुनर्निर्मित ''गांधीनगर केपिटल रेलवे स्टेशन'' के लोकार्पण के साथ ही राज्य को कई विकास कार्यों के भेंट देंगे। शुक्रवार को शाम 4 बजे पीएम मोदी नई दिल्ली से गांधीनगर रेलवे स्टेशन समेत 8 जितने विकास कार्यों को वर्च्युअल लोकार्पण करेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जब गुजरात के मुख्यमंत्री थे तब उन्होंने गुजरात को देश का सबसे विकसित राज्य बनाने का संकल्प किया था। उनके इस संकल्प के अंतर्गत गांधीनगर में विश्व स्तर का ''महात्मा मंदिर कन्वेन्शनसेंटर कॉप्लेक्स'' साकार हुआ। सभी जानते हैं कि पीएम मोदी के प्रेरणा से मूर्तरूप हुए ''महात्मा मंदिर'' वाइब्रेंट गुजरात ग्लॉबल इन्वेस्टर्स समिट समेत अनेक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय बिजनेस समिट,कोन्फरन्स, प्रदर्शनी समेत कई आयोजनों का गवाह रहा है। महात्मा मंदिर में नियमित होनेवाली द्विवार्षिक गुजरात ग्लॉबल इन्वेस्टर्स समिट के बाद तो इस स्थल आकर्षण कई गुना बढ़ गया है। महात्मा मंदिर विश्व के कई देशों के प्रमुख, प्रधानमंत्री, सांसद, राजदूत, उद्योगकार, वैज्ञानिक और शिक्षाविदों के लिए यजमान स्थल बन गया है। महात्मा मंदिर, मेट्रो रेल, अहमदाबाद–गांधीनगर को जोड़ते छह मार्गीय राजमार्ग, नेशनल फोरेंसिक सायंस यूनिवर्सिटी, रक्षा शक्ति यूनिवर्सिटी, गिफ्ट सिटी समेत अनेक प्रकल्पों की भांति महात्मा मंदिर के निकट ही अत्याधुनिक रेलवे स्टेशन का पुनर्निर्माण किया गया है। अत्याधुनिक गांधीनगर केपिटल रेलवे स्टेशन में 3 प्लेटफार्म हैं। देश में विश्वस्तर के रेलवे स्टेशन की नई मार्गदर्शिका के मुताबिक पुनर्निर्मित इस रेलवे स्टेशन में 3 प्लेटफार्म में 1 वन एन्ड प्लेटफार्म जबकि अन्य आईलेंड प्लेटफार्म हैं।

द्वारिकाधीश की महिमा

मंदिर पर आकाशीय बिजली गिरी, किसी का बाल भी बांका नहीं हुआ

क्रांति समय दैनिक

गुजरात के द्वारिकाधीश मंदिर पर बीते दिनों कुदरत का कहर दिखाई दिया था। मंदिर पर आकाशीय बिजली गिरी लेकिन ये द्वारिकाधीश का करिश्मा ही कहे कि जान–माल का कोई भी नुकसान नहीं हुआ। द्वारकाधीश नाम का मतलब है, द्वारका के राजा यानी भगवान श्री कृष्ण की नगरी। श्रद्धालुओं का कहना है कि जब प्रभु द्वारका में विराजमान हैं,तब काल भी भक्तों का कुछ नहीं बिगाड़ सकता है। दरअसल, बारिश के दौरान द्वारका मंदिर के परिसर में बिजली गिरी,

भक्तों की आंखों के सामने मंगलवार को जो हुआ, उसी चमत्कार को अब सब नमस्कार कर रहे हैं। भीषण उस वक्तजब भक्तमौजूद थे, पूजा पाठ चल रहा था। मंदिर में मौजूद प्रत्यक्षदर्शियों ने कहा कि बारिश हो रही थी, तभी ध्वजा पर बिजली गिरी, ध्वजाजी को थोड़ा नुकसान हुआ है।

प्रत्यक्षदर्शी ने कहा, इसके बाद प्रशासन के लोग आए और उन्होंने कहा कि ऐसी घटना के बाद जब ध्वजा चढ़ती,तब आधी काटी पर चढ़ती है। द्वारिकाधीश मंदिर में जब बिजली गिरी,तब अंदर पूजा पाठ चल रहा था। इस दौरान मंदिर में मौजूद एक महिला श्रद्धालु ने कहा कि मंदिर पर बिजली गिरी, लेकिन कुछ नहीं हुआ, हम डर गए थे। चश्मदीदों के मुताबिक, द्वारकाधीश ही भक्तों के रक्षक बनकर खड़े हो गए है। मंदिर पर बिजली गिरी लेकिन किसी का बाल भी बाका नहीं हुआ, यहां तक मंदिर को भी किसी तरह का कोई नुक़सान नहीं हुआ, सिर्फ मंदिर के शिखर पर लहरा रही ध्वजा फट गई, जैसे ध्वजा पर बिजली गिरी, लोग बेचैन हो गए, उन्हें अपने से ज्यादा ध्वजा के फिर से फहराने का ख्याल था। हम सोच भी नहीं सकते थे कि इतनी बारिश होगी, ध्वजा कैसे चढ़ाई जाएगी, तीन बजे बिजली गिरी, इसके बाद चमत्कार हुआ है और 3.30 बजे के बाद बारिश भी बंद हो गई, इसके बाद फिर से ध्वजा चढ़ाई गई और द्वारकाधीश ने ध्वजा स्वीकार कर ली।

महिला सुरक्षा के दावों के बीच दाहोद में महिला की इज्जत सरेआम नीलाम की गई

क्रांति समय दैनिक

दाहोद,यूं तो देश में महिला सुरक्षा के बड़े बड़े दावे किए जाते हैं। लेकिन क्या महिलाएं वाकई में पूरी तरह सुरक्षित हैं। अगर हैं तो आए दिन छेड़छाड़ और दुष्कर्म जैसी घटनाएं क्यों घट रही हैं? आज के आधुनिक युग में भी महिलाओं को अपनी जागीर समझने वालों की कोई कमी नहीं है और ऐसे लोगों को कानून का जैसे कोई खौफ नहीं है। गुजरात में मानवता को शर्मसार करने वाली एक घटना सामने आई है, जिसमें एक विवाहित महिला को अन्य पुरुष से प्यार करने पर तालीबानी सजा दी गई। महिला का पति उसके कंधे पर चढ़ गया और उसे न सिर्फ पूरे गांव में घुमाया, बल्कि सरेआम उसे निर्वस्त्र कर दिया। सोशल मीडिया पर घटना का वीडियो वायरल होने के बाद हरकत में आई पुलिस ने 19 लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया और 11 लोगों को हिरासत में ले लिया। एक सप्ताह पहले घटी यह घटना है दाहोद जिले की धानपुर तहसील के एक गांव की। 23 वर्षीय पीड़िता की 5 साल पहले दिनेश नामक युवक से शादी हुई थी। शादी के बाद विवाहिता का धानपुर तहसील के अन्य एक गांव के युवक से प्यार हो गया और दोनों अक्सर फोन पर बात करते रहते। कभी कभार दोनों के बीच मुलाकात भी होती थी। एक दिन पत्नी का मोबाइल दिनेश के हाथ लग गया और उसे अपनी पत्नी के प्रेम संबंधों के बारे में पता चल गया। फिर क्या था दिनेश समेत उसके परिवार पर जैसे शैतान सवार हो गया और सब ने मिलकर विवाहिता के साथ जो किया वह मानवता को शर्मसार करना वाला था। सुबह के वक्त परिवार ने दिनेश को उसकी पत्नी के कंधे पर बिठा दिया और पूरे गांव में घुमाया। पति का वजन बर्दाश्त नहीं होने पर कई जगह विवाहिता गिर पड़ी।

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

केंद्र ने राज्यों को जारी की एडवाइजरी

अगर लोग नहीं मान रहे हैं तो फिर से लगाएं प्रतिबंध

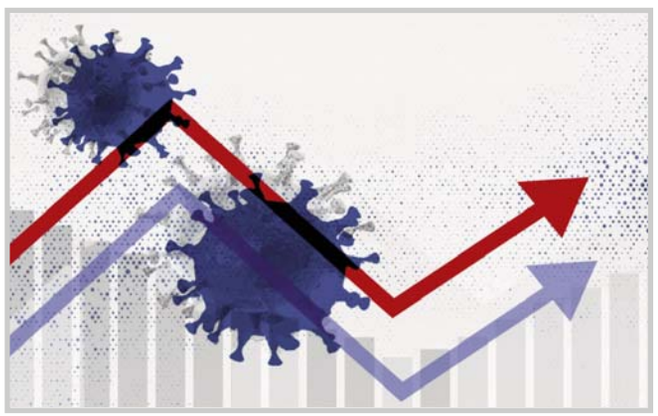

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कोरोना की तीसरी लहर की आशंका और कई राज्यों में कोरोना नियमों के उल्लंघन को लेकर केंद्र सरकार ने राज्यों को एडवाइजरी जारी की है। केंद्रीय गृह सचिव ने राज्यों को लिखे पत्र में कोरोना नियमों के उल्लंघन को लेकर सख्त कदम उठाने को कहा है। केंद्र सरकार ने हिल स्टेशनों पर लोगों की बढ़ती भीड़ और कोरोना गाइडलाइन्स के उल्लंघन पर चिंता व्यक्त की है। एडवाइजरी में राज्यों को कोविड के उचित व्यवहार से जुड़े नियमों को लागू करने को लेकर किसी भी ढिलाई के लिए अधिकारियों को व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार बनाने के लिए भी कहा गया है। केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला की तरफ से भेजी गई एडवाइजरी में कहा गया है कि यदि किसी प्रतिष्ठान-परिसर-बाजार आदि में कोविड-19 के उचित व्यवहार के मानदंडों को बनाए नहीं रखा जाता है, तो ऐसे स्थान कोविड -19 के प्रसार को रोकने के लिए प्रतिबंधों को फिर से लागू करने की जिम्मेदारी होगी। ऐसे में, नियमों के पालन नहीं करने वाले लोगों के खिलाफ भी संबंधित कानूनों के तहत कार्रवाई होनी चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी कई राज्यों में पर्यटकों की बढ़ती भीड़ पर चिंता जता चुके हैं। पीएम मोदी ने कहा था कि घूमने की जगहों, हिल स्टेशन और बाजारों में बड़ी संख्या में बिना मास्क लगाए और सोशल डिस्टेसिंग का पालन नहीं करते हुए भीड़ का उमड़ना चिंता की बात है। पीएम मोदी ने कहा कि कोरोना ऐसी चीज है, जो अपने आप नहीं आती, कोई जाकर के ले आए तो आती है और इसलिए हम अगर बराबर सावधानी करेंगे, तो हम तीसरी लहर को भी रोक पाएंगे।

मुंबई में अंतरराष्ट्रीय ड्रग सिंडिकेट का भंडाफोड़, नाइजीरिया का नागरिक गिरफ्तार

मुंबई। मुंबई में नार्कोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने एक ऐसे अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स सिंडिकेट का पर्दाफाश किया है जो ड्रग्स तस्करी के लिए कॉल सेंटर मॉड्यूल का इस्तेमाल करता था. एनसीबी ने इस मामले में नाइजीरिया के एक नागरिक को गिरफ्तार किया है. एनसीबी के मुताबिक, ड्रग्स तस्करी के लिए यह सिंडिकेट नाइजीरिया से चलाया जा रहा था और इसका इस्तेमाल मुंबई और उसके आस-पास के इलाकों में तस्करी करने के लिए किया जा रहा था. ब्यूरो गोपनीय सूत्रों की तरफ से इस तस्कर की जानकारी मिली थी. दरअसल, ब्यूरो को जानकारी मिली कि चोक्यु इमेका ऑगबोमा उर्फ माइकल नामक नाइजीरियन शख्स मुंबई से सटे नालासोपारा और उसके आस-पास के इलाके में बड़ी मात्रा में कोकीन ड्रग्स सप्लाई करता है. इस जानकारी के मिलते ही नालासोपारा इलाके में एनसीबी ने ट्रैप लगाया और ड्रग्स पेडलर ऑगबोमा को कोकीन की खेप के साथ गिरफ्तार कर लिया. इसकी गिरफ्तारी के बाद जब एनसीबी ने अपनी तहकीकात आगे बढ़ाई तो पता चला कि ऑगबोमा एक ऐसे ड्रग्स सिंडिकेट का सदस्य है, जो नाइजीरिया से ऑपरेट किया जा रहा है. इस कॉल सेंटर मॉड्यूल ड्रग्स सिंडिकेट का इस्तेमाल मुंबई और उसके आस-पास के इलाकों में ड्रग्स तस्करी के लिए किया जा रहा है. जानकारी के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी नाइजेरिया में बैठे अपने आकाओं के दिशा-निर्देश पर ड्रग्स की सप्लाई करता है. मुंबई एनसीबी के जॉइंट डायरेक्टर समीर वानखेड़े ने कहा कि अगर भारत में किसी को ड्रग्स चाहिए होती थी तो वह डायरेक्ट नाइजीरिया से चल रहे इस ड्रग्स कॉल सेन्टर में कॉल करता था. कॉल करने के बाद सिंडिकेट चलाने वाले लोग आर्डर बुक करते थे और फिर मुंबई में बैठे अपने सदस्यों के जरिए आर्डर देने वाले ग्राहकों को ड्रग्स की सप्लाई करवाते थे. इस सिंडिकेट को चलाने वाले लोग बड़ी ही शातिर तरीके से ड्रग्स सप्लाई को अंजाम देते थे. ड्रग्स पहुंचाने वाले ड्रग्स पेडलरों के शातिर होने का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि वह ग्राहक को ड्रग्स देने से पहले रेकी करके यह पुख्ता करते थे कि कोई पुलिस या नार्कोटिक्स का अधिकारी तो नहीं है. जानकारी जुटा लेने के बाद ही वह सप्लाई करते थे. एनसीबी के मुताबिक इस ड्रग्स सिंडिकेट को चलाने वाला गिरोह पेरू, ब्राजील और चिली से ड्रग्स का कन्साइनमेंट मुंबई में मंगवाता था.

पीएम मोदी के खिलाफ विपक्ष के पास कोई चेहरा नहीं, जीतने की उम्मीद भी नहीं : संजय राउत

मुंबई। महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में शिवसेना-एनसीपी और कांग्रेस की गठबंधन वाली सरकार चल रही है। हालांकि समय-समय पर शिवसेना और भाजपा के बीच गठबंधन के खबरें आती रहती हैं।इसी कड़ी में फिर से शिवसेना के सांसद और प्रवक्ता संजय राउत ने ऐसा बयान दिया है जिससे कि भाजपा के साथ शिवसेना के रिश्ते को लेकर कयासों का दौर शुरू हो गया है। दरअसल, शिवसेना सांसद राउत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुकाबला करने के लिए फिलहाल विपक्ष के पास चेहरा नहीं है।जब तक विपक्ष के पास कोई चेहरा नहीं आता है तब तक जीतने का कोई उम्मीद नहीं है। राउत ने कहा कि मेरा मानना है कि मोदी देश और भाजपा के शीर्ष नेता हैं। इसे कोई नकार नहीं सकता कि पिछले 7 सालों में भाजपा ने जो कामयाबी हासिल की है वह नरेंद्र मोदी की वजह से हैं। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी से मुकाबले के लिए एनसीपी प्रमुख शरद पवार सबसे सही चेहरा हैं। उन्होंने कहा कि 2024 में बिना किसी चेहरे के नरेंद्र मोदी से मुकाबला कर पाना मुश्किल होगा। राहुल गांधी को लेकर संजय राउत ने कहा कि वह कांग्रेस के बड़े नेता हैं। लेकिन उनसे भी बड़े नेता वर्तमान में मौजूद हैं।

गुजरात सरकार ने ममता दिवस के लिए कोरोना टीकाकरण अभियान किया निलंबित

अहमदाबाद।

गुजरात सरकार ने ममता दिवस के मद्देनजर बुधवार को कोविड-19 टीकाकरण अभियान निलंबित कर दिया। गर्भवती महिलाओं, बच्चों और शिशुओं के वैश्विक टीकाकरण कार्यक्रम हिस्से के रूप में यह ममता दिवस मनाया जा रहा है। यह लगातार दूसरा हफ्ता है जब ममता दिवस के कारण बुधवार को कोरोना वायरस रोधी टीकाकरण अभियान निलंबित किया गया है। ममता दिवस के दौरान स्वास्थ्य देखभाल कर्मी राज्य भर में गर्भवती महिलाओं की जांच करते हैं, उनका मार्गदर्शन करते हैं और उन्हें आयरन तथा विटामिन की गोलियां मुहैया कराते हैं। स्वास्थ्य देखभाल कर्मी महिलाओं, बच्चों तथा शिशुओं को बीसीजी, पोलियो और रुबेला जैसे टीके भी लगाते हैं। राज्य के टीकाकरण अधिकारी डॉ. नयन जानी ने कहा, वैश्विक टीकाकरण कार्यक्रम के तहत ममता दिवस पर स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों को दिए काम के मद्देनजर कोरोना वायरस के खिलाफ टीकाकरण अभियान निलंबित रहेगा। बहरहाल राज्य सरकार ने अभी यह स्पष्ट नहीं किया है कि इस अभियान के तहत टीकाकरण हर बुधवार को निलंबित रहेगा।

राहुल गांधी ने केंद्र सरकार को घेरा तो लोग करने लगे ट्रोल

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कई राज्यों में कोरोना रोधी टीके की कथित तौर पर कमी होने का हवाला देते हुए बुधवार को केंद्र पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि 'जुमले हैं, टीके नहीं हैं। उन्होंने एक खबर साझा करते हुए ट्वीट किया, 'जुमले हैं, वैक्सीन नहीं!' कांग्रेस नेता ने जो खबर साझा की उसमें कहा गया है कि कई राज्यों में टीकों की कमी है, हालांकि केंद्र ने इससे इनकार किया है। कांग्रेस प्रवक्ता जयवीर शेरगिल ने आरोप लगाया कि टीकों की कमी और ईंधन की कीमतों में वृद्धि से भाजपा सरकार जनता के घाव पर नमक रगड़ रही है। उन्होंने ट्वीट किया, 'टीकाकरण की दर में 60 प्रतिशत की गिरावट आई है और इस सरकार में ईंधन की कीमतों में 63 गुना की बढ़ोतरी हुई है। भाजपा लोगों के घाव पर नमक रगड़ने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। बहरहाल वैक्सीन की कमी को लेकर जब राहुल गांधी ने ट्वीट कर केंद्र सरकार को घेरा तो ट्विटर पर कई यूजर्स राहुल गांधी को भी ट्रोल करने लगे। ओम प्रकाश श्रीवास्तव नाम के एक यूजर ने लिखा कि 'वैक्सीन कोई प्रशांत किशोर नही हैं,न ! कही से भी किराए पर बुलवा लिए और पार्टी की समस्याएं सुलझा लिए। कल तक वो शरद पवार को राष्ट्रमंच से विपक्ष का चेहरा बना रहे थे। वैक्सीन एक केमिकल उत्पाद है जिसमे नेताओ की सोच से ज्यादा पदार्थ लगते हैं गोपाल सनातनी नाम के एक अन्य यूजर ने लिखा कि 'जुमले जुमले में 38 करोड़ लोगों को वैक्सीन लग गई लेकिन आप आज भी वैक्सीन, वैक्सीन लगे हो, कभी वैक्सीन लगाने का भी बोल देते ताकि जनता को फायदा हो जाता. आपको बता दें कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि राज्यों, केंद्रशासित प्रदेशों और निजी अस्पतालों के पास टीकों की 1.51 करोड़ खुराक पड़ी है जिनका अभी उपयोग नहीं हो सका है। उसने यह भी कहा कि अब राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को टीकों की 39.59 करोड़ खुराक उपलब्ध कराई जा चुकी है।

तेजस्वी ने विधानसभा अध्यक्ष को लिखा पत्र, विधायकों में है भय का वातावरण

पिछले बजट सत्र के दौरान हुए हंगामे और पुलिस कार्रवाई को किया याद

पटना (एजेंसी)।

बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने बजट सत्र के दौरान हुए हंगामे और पुलिस कार्रवाई के मामले में विधानसभा अध्यक्ष को एक पत्र लिखा है। इसी संबंध में राजद नेता ने मीडिया से बातचीत में कहा कि विधायकों में भय का वातावरण है। ऐसे में क्या विधानसभा में विधायकों की सुरक्षा की गारंटी होनी चाहिए या नहीं? राजद नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष में जनता का सवाल उठाने गए और वहां लात-घूंसे, डंडे पड़ रहे हैं। इस बारे में आपने जांच की होगी, उसका क्या नतीजा है। क्या विधानसभा में विधायकों की सुरक्षा की गारंटी होनी चाहिए या नहीं? विधानसभा अध्यक्ष को लिखे पत्र में तेजस्वी यादव ने कहा कि विधानसभा परिसर में भारी संख्या में पुलिसबल किसके आदेश से पहुंचा था? उन्होंने कहा कि अवैध तरीके से आए हुए पुलिसकर्मियों को विधायकों पर अत्यधिक बल प्रयोग करते हुए बूटों से मारने, जानवरों की तरह उठाकर पक्के सतहों पर पटकने सहित जानलेवा हमला करने का आदेश किसने दिया था? इसी बीच राजद नेता ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार मिलकर गरीबों का खून चूसने का काम कर रही हैं। लगातार पेट्रोल, डीजल, एलपीजी की कीमतें आसमान छूती जा रही हैं। आने वाली 18 तारीख को बिहार के सभी प्रखंडों में हम इसके खिलाफ विरोध प्रदर्शन करेंगे और 19 तारीख को हर ज़िला मुख्यालय में इसका विरोध करेंगे। गत बिहार विधानसभा सत्र में माननीय विधायकों के साथ हुई मारपीट के दोषी अधिकारियों पर अभी तक कारवाई नहीं करने के संबंध में विधानसभा अध्यक्ष को पत्र लिखा।

बार-बार बदलकर पार्टियां न खराब करें सिद्धू, अपना ही अलग दल बना लें: अनिल विज

नई दिल्ली (एजेंसी)।

पंजाब कांग्रेस में जारी कलह के बीज हरियाणा के गृह मंत्री अनिल विज ने नवजोत सिंह सिद्धू को अलग दल बनाने की सलाह दी है। अनिल विज ने कहा कि यह नवजोत सिंह सिद्धू का निजी पसंद है कि वह जिस भी पार्टी में शामिल होना चाहे हों। लेकिन उन्हें मेरी निजी सलाह कि बार-बार बदलकर पार्टियां खराब न करें, अपनी अलग पार्टी बना लें। पिछले कुछ महीनों से पंजाब कांग्रेस में खुलकर कलह देखने को मिल रही है। पूर्व मंत्री नवजोत सिंह सिद्धू और कुछ अन्य नेताओं ने मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है। दोनों नेताओं के बीच जारी कलह को खत्म करने के लिए कांग्रेस पार्टी हर संभव कोशिश कर चुकी है। तकरार को दूर करने के लिए पिछले हफ्ते नवजोत सिंह सिद्धू ने दिल्ली में प्रियंका गांधी से मुलाकात की थी। नवजोति सिंह सिद्धू प्रियंका गांधी से मिलने के बाद राहुल से भी मिले थे। हालांकि, राहुल ने पहले किसी भी मुलाकात से इनकार कर दिया था। लेकिन प्रियंका से मुलाकात के बाद वो सिद्धू से मिलने के लिए राजी हो गए थे। इसके बाद कैप्टन अमरिंदर दिल्ली पहुंचे और पार्टी की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी से मुलाकात की। फिर भी कोई हल नहीं निकला। कांग्रेस महासचिव हरीश रावत ने पार्टी की पंजाब इकाई में चल रही कलह के जल्द खत्म होने का संकेत देते हुए मंगलवार को कहा कि अगले तीन-चार दिनों में पंजाब कांग्रेस के लिए अच्छी खबर आएगी। उन्होंने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी से मुलाकात के बाद संवाददाताओं से बातचीत में यह टिप्पणी की। कांग्रेस के पंजाब प्रभारी रावत ने कहा, ''अगले तीन-चार दिनों में पंजाब कांग्रेस के लिए अच्छी खबर आएगी। पार्टी में कलह को दूर करने के लिए कांग्रेस आलाकमान ने राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय समिति का गठन किया था। इस समिति ने मुख्यमंत्री समेत पंजाब कांग्रेस 100 से अधिक नेताओं की राय ली और फिर अपनी रिपोर्ट आलाकमान को सौंपी।

द्वारिकाधीश की महिमा

मंदिर पर आकाशीय बिजली गिरी, किसी का बाल भी बांका नहीं हुआ

अहमदाबाद (एजेंसी)।

गुजरात के द्वारिकाधीश मंदिर पर बीते दिनों कुदरत का कहर दिखाई दिया था। मंदिर पर आकाशीय बिजली गिरी लेकिन ये द्वारिकाधीश का करिश्मा ही कहे कि जान-माल का कोई भी नुकसान नहीं हुआ। द्वारकाधीश नाम का मतलब है, द्वारका के राजा यानी भगवान श्री कृष्ण की नगरी। श्रद्धालुओं का कहना है कि जब प्रभु द्वारका में विराजमान हैं,तब काल भी भक्तों का कुछ नहीं बिगाड़ सकता है। दरअसल, भक्तों की आंखों के सामने मंगलवार को जो हुआ, उसी चमत्कार को अब सब नमस्कार कर रहे हैं। भीषण बारिश के दौरान द्वारका मंदिर के परिसर में बिजली गिरी, उस वक्त जब भक्त मौजूद थे, पूजा पाठ चल रहा था। मंदिर में मौजूद प्रत्यक्षदर्शियों ने कहा कि बारिश हो रही थी, तभी ध्वजा पर बिजली गिरी, ध्वजाजी को थोड़ा नुकसान हुआ है। प्रत्यक्षदर्शी ने कहा, इसके बाद प्रशासन के लोग आए और उन्होंने कहा कि ऐसी घटना के बाद जब ध्वजा चढ़ती,तब आधी काटी पर चढ़ती है। द्वारिकाधीश मंदिर में जब बिजली गिरी,तब अंदर पूजा पाठ चल रहा था। इस दौरान मंदिर में मौजूद एक महिला श्रद्धालु ने कहा कि मंदिर पर बिजली गिरी, लेकिन कुछ नहीं हुआ, हम डर गए थे। चश्मदीदों के मुताबिक, द्वारकाधीश ही भक्तों के रक्षक बनकर खड़े हो गए है। मंदिर पर बिजली गिरी लेकिन किसी का बाल भी बाका नहीं हुआ, यहां तक मंदिर को भी किसी तरह का कोई नुक़सान नहीं हुआ, सिर्फ मंदिर के शिखर पर लहरा रही ध्वजा फट गई, जैसे ध्वजा पर बिजली गिरी, लोग बेचैन हो गए, उन्हें अपने से ज्यादा ध्वजा के फिर से फहराने का ख्याल था। हम सोच भी नहीं सकते थे कि इतनी बारिश होगी, ध्वजा कैसे चढ़ाई जाएगी, तीन बजे बिजली गिरी, इसके बाद चमत्कार हुआ है और 3.30 बजे के बाद बारिश भी बंद हो गई, इसके बाद फिर से ध्वजा चढ़ाई गई और द्वारकाधीश ने ध्वजा स्वीकार कर ली।

संक्षिप्त समाचार

नासिक के सरकारी करेंसी प्रिंटिंग प्रेस से 5 लाख रुपये गायब

नासिक। महाराष्ट्र के नासिक स्थित सरकारी करेंसी नोट प्रेस से 5 लाख रुपये की चोरी की सनसनीखेज घटना सामने आई है. देश के सबसे सुरक्षित मुद्रा नोट प्रेस से चोरी होने से प्रशासन की चिंता बढ़ गई है. इस संबंध में अभी तक कोई मामला दर्ज नहीं किया गया है. सख त सुरक्षा इंतजामों के बावजूद प्रशासन जांच में जुटा है कि पैसा कहां गया. चोरी गए सभी नोट 500 के हैं. इस संबंध में प्रिंटिंग प्रेस के साथ-साथ पुलिस भी खामोश है. हालांकि पुलिस ने कई टीमें बनाई हैं और जांच कर रही है. इस मामले में खुफियां एजेंसियां भी जांच कर रही हैं. चूँकि यह घटना राष्ट्रीय सुरक्षा और राष्ट्रीय वित्तीय मामलों से संबंधित है जिसके चलते प्रिंटिंग प्रेस प्रशासन और पुलिस चुप है. आपको बता दें कि भारतीय मुद्रा के नोट नासिक में स्थित करेंसी प्रिंटिंग प्रेस में छापे जाते हैं. यहां साल भर में करीब ढाई हजार करोड़ के नोट छापे जाते हैं. इसलिए फैक्ट्री को अत्याधुनिक सुरक्षा व्यवस्था दी गई है. ज्ञात हो कि देश में नोटबंदी के समय भी दिन-रात कारखाने में नोट छापकर देश के नागरिकों को वितरित किए गए. अब इसी प्रिंटिंग प्रेस में इस चौंकाने वाली चोरी का मामला सामने आने से हड़कंप मचा है.

अफगानिस्तान में आतंक को बढ़ावा देने पर पाक को भारत ने लगाई फटकार

नई दिल्ली । भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने तजाकिस्तान की राजधानी दुशांबे में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन की मीटिंग अफगानिस्तानियों के सहयोग का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान में शांति की प्रक्रिया जारी है और हम अफगानियों को झुकने नहीं दे सकते। उन्होंने कहा कि शांति प्रक्रिया का जल्दी अमल में आना सबसे जरूरी है। दोहा, इस्तांबुल और मॉस्कों में हुए समझौतों के आधार पर हमें आगे बढ़ना होगा। अफगानिस्तान का पिछला इतिहास जैसा ही उसका भविष्य नहीं हो सकता है। हर नई पीढ़ी की अलग ही उम्मीदें होती हैं। हमें उन्हें गिरने नहीं देना है। अफगानिस्तान में बिगड़ते हालातों के चलते हाल ही में भारत ने कंधार से अपने राजनयिकों को वापस बुलाया है। भारत का कहना है कि उसकी अफगानिस्तान में चल रही हिंसा पर पैनी नजर बनी हुई है। एस. जयशंकर ने रूस, चीन जैसे देशों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत का हमेशा से यह मानना रहा है कि शांति प्रक्रिया अफगानिस्तान की लीडरशिप में और उनके ही द्वारा होनी चाहिए। पाकिस्तान के दखल और उसकी ओर से तालिबान के सहयोग को लेकर भारत और अफगानिस्तान दोनों ही चिंतित है। इस बयान से उन्होंने पाकिस्तान की ओर से तालिबान को मदद किए जाने पर भी निशाना साधा। अफगानिस्तान के भारत में मौजूद राजयनिक फरीद मुमुंदजाय ने हाल ही में एक इंटरव्यू में कहा था कि तालिबान के नेता पेशावर और क्वेटा से काम करते हैं। यह सही नहीं है। ऐसी स्थिति खत्म होनी ही चाहिए। उन्होंने कहा था कि हजारों अफगानिस्तानियों को तालिबान के चलते बेघर होना पड़ा है और मौतें हुई हैं। उत्तर पश्चिम अफगानिस्तान के बड़े हिस्से पर तालिबान ने कब्जा जमा लिया है। एस. जयशंकर ने इस बात का जिक्र करते हुए कहा कि हमारे सामने यह चुनौती है कि जो कुछ भी किया जाए वह गंभीरता के सा

राज्यसभा में नेता सदन होंगे पीयूष गोयल, गहलोत की लेंगे जगह, पीएम के साथ होगी सीट

नई दिल्ली। भाजपा की ओर से पीयूष गोयल को राज्यसभा का नेता सदन बनाया गया है। पीयूष गोयल थावरचंद गहलोत की जगह लेंगे। थावरचंद गहलोत के राज्यपाल बनाए जाने के बाद यह पद खाली हुआ था। राज्यसभा में नेता के लिए भूपेंद्र यादव, निर्मला सीतारमण और मुख्तार अब्बास नकवी का भी नाम आगे चल रहा था। राज्यसभा में पीयूष गोयल की सीट पीएम मोदी के साथ होगी। पीयूष गोयल 2010 से राज्यसभा के सदस्य हैं। राज्यसभा में अब तक सरकार के लिए आंकड़ों को जुटाने का काम पीयूष गोयल करते रहे हैं। थावरचंद गहलोत से पहले नेता सदन की जिम्मेदारी भाजपा के कद्दावर नेता अरुण जेटली संभाल रहे थे। राज्यसभा में नेता सदन की भूमिका कई दिग्गजों ने निभाई है।

बिहार में भारी बारिश का रेलवे की रफ्तार पर असर

दरभंगा । बिहार में भारी बारिश का रेलवे की रफ्तार पर काफी असर पड़ा है। कई रेलवे पुलों पर पानी का स्तर बढ़ने से ट्रेनों के शेड्यूल में बदलाव किया गया है। रेलवे प्रशासन ने दरभंगा-समस्तीपुर रेल खंड पर मुक्तापुर- समस्तीपुर स्टेशनों के बीच के कई ट्रेनों के शॉर्ट टर्मिनेशन, शार्ट ओरिजिनेशन और रूट परिवर्तन का फैसला किया है। 14 और 15 जुलाई को इस रूट पर कई ट्रेनों का शेड्यूल बदला है। पूर्वोत्तर रेलवे के प्रवक्ता पंकज कुमार सिंह के अनुसार पूर्व मध्य रेलवे के दरभंगा-समस्तीपुर रेल खंड पर मुक्तापुर-समस्तीपुर स्टेशनों के बीच रेल पुल नंबर एक पर बढ़ते जलस्तर को देखते हुए कई ट्रेनों के शेड्यूल में बदलाव किया गया है।

10 दिन बाद अस्पताल से बाहर निकले पोप फ्रांसिस

नई दिल्ली । कैथोलिक ईसाई धर्म के सर्वोच्च धर्मगुरु पोप फ्रांसिस को अस्पताल से छुट्टी मिल गई है। दअसरल, पोप फ्रांसिस आंत की सर्जरी के लिए 10 दिन पहले अस्पताल में भर्ती हुए थे। सर्जरी के दौरान उनकी बड़ी आंत का कुछ हिस्सा निकाल दिया गया था। 84 साल के पोर की सर्जरी होने के बाद सेहत में धीर-धीरे सुधार हो रहा है। दो दिन पहले पहले उन्होंने अस्पताल की बालकनी से खोड़े होकर लोगों का अभिवादन भी स्वीकार किया था। रविवार को पोप ने अस्पताल की बालकनी से कम लोगों की भीड़ को संबोधित किया था। बता दें कि साल 2013 में पोप बनने के बाद यह उनकी पहली बड़ी सर्जरी थी। सर्जती की तारीख पहले से तय थी। सितंबर में अपनी यात्रा फिर से शुरू करने से पहले पोप के पास ठीक होने के लिए पर्याप्त समय है। 12-15 सितंबर के बीच उनकी हंगरी और स्लोवाकिया जाने की योजना है। और फिर नवंबर में ग्लासगो, स्कॉटलैंड में सीओपी26 जलवायु सम्मेलन में हिस्सा लेना है। वेटिकन ने कहा था कि फ्रांसिस को पिछले वीकेंड पर ही अस्पताल से छुट्टी मिल जाएगी लेकिन बाद में उन्होंने तय किया है कि अभी कुछ दिन और अस्पताल में रख लिया जाए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मंगलवार की दोपहर, अस्पताल से छुट्टी मिलने से पहले उन्होंने बाल चिकित्सा कैंसर वार्ड का दौरा किया।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)